फाल्गुन कृष्ण - 7 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 204 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 19-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मुख्यमंत्री योगी ने जताई उम्मीद, हार से हताश विपक्ष सदन पर नहीं उतारेगा खुन्नस

6 राहुल के अपरिपक्व निर्णय कांग्रेस को पड़ रहे भारी

7 झांसी में सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' की शुटिंग शुरू की

प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर की वार्ता

संबंध रणनीतिक भागीदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी के साथ व्यापक बातचीत की। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और लोगों से लोगों के संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत-कतर संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।

मोदी के निमंत्रण पर कतर के अमीर दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। यह उनकी भारत की दूसरी राजकीय यात्रा है। इससे पहले उन्होंने मार्च 2015 में भारत का दौरा किया था। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को शुरू हुई यात्रा से पहले कहा था कि उनकी यात्रा हमारी मजबूत होती बहुआयामी साझेदारी को और गति प्रदान करेगी। इससे पहले दिन में, कतर के अमीर को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनकी अगवानी की। इस मौके पर मोदी भी मौजूद थे। बाद में, मोदी और अमीर ने हैदराबाद हाउस में कई द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की।

भारत और कतर ने मंगलवार को रणनीतिक साझेदारी कायम करने को लेकर एक समझौता भी किया। यहां प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर की मौजूदगी में, कतर के प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल सानी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया।

दुनिया में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए मिलकर काम करें भारत और कतर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारत और कतर को न केवल अपने लोगों बल्कि दुनिया के सभी लोगों की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी का स्वागत किया। उन्होंने उनके सम्मान में भोज का भी आयोजन किया।

भारत की दूसरी राजकीय यात्रा पर आए अल थानी का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि कतर के साथ भारत के संबंध सदियों पुराने हैं। कतर भारत के साथ पश्चिम एशिया के वाणिज्य और संस्कृति के संबंधों का अभिन्न अंग रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और कतर के बीच बहुआयामी जुड़ाव और सहयोग गहरी सहजता और समय-परीक्षित सद्भावना से चिह्नित हैं। दोनों देश व्यापार, निवेश, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और ऊर्जा के क्षेत्रों में विश्वसनीय साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि हमें नवाचार, प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप के क्षेत्रों में अपने सहयोग को व्यापक बनाने के लिए दोनों देशों की संबंधित शक्तियों का भी लाभ उठाना चाहिए।

महाकुंभ में 55 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को दावा किया कि प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में अबतक 55 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है। यह महाकुंभ मेला 26 फरवरी (महाशिवरात्रि) तक चलेगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि भारत के 110 करोड़ सनातन अनुयायियों में से आधे ने डुबकी लगा ली है और 26 फरवरी को अंतिम स्नान अनुष्ठान तक यह संख्या 60 करोड़ से अधिक होने की उम्मीद है।

रूस, अमेरिका के शीर्ष अधिकारियों ने संबंधों में सुधार, यूक्रेन युद्ध समाप्ति पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियाद/एपी। रूस और अमेरिका के शीर्ष राजनयिकों ने मंगलवार को सऊदी अरब में मुलाकात के दौरान संबंधों को सुधारने तथा यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत शुरू करने पर चर्चा की।

यह बातचीत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी विदेश नीति में एक बड़े बदलाव को दर्शाती है।

इस बैठक में यूक्रेन का कोई अधिकारी मौजूद नहीं था। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन धीरे-धीरे लेकिन लगातार रूसी सैनिकों के खिलाफ अपनी जमीन खो रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लगभग तीन वर्ष होने वाले हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर यूक्रेन इस वार्ता में हिस्सा नहीं लेता है, तो उनका देश इस सप्ताह की वार्ता में लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। यूरोप के देशों ने भी चिंता जताई है कि उन्हें दरकिनार किया जा रहा है।

बैठक में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

19-02-2025 सूर्यास्त 6:15 बजे | 20-02-2025 सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
75,967.39	22,945.30
(-29.47)	(-14.20)

सोना	चांदी
8,919 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेमेल गठजोड़

जब भी होता है गठबंधन,
जुड़ते उसमें अवसरवादी।
दोषारोपण इक दूजे पर,
करने वाले हैं बकवादी।
हैं सभी सियासत की चालें,
वादी ना कोई प्रतिवादी।
जैसे मजबूरी में कोई,
करता है अनचाही शादी।।

आज हो सकता है दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रीय राजधानी में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के 12 दिन बाद गुरुवार को यानी 20 फरवरी को नयी सरकार का गठन हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली प्रदेश इकाई ने बुधवार अपराह्न नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुलायी है, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा होगी और पार्टी के कल शाम प्रदेश के नये मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान करने की उम्मीद है। इसके बाद पार्टी के नेता उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

केआईआईटी नेपाली छात्रा की मौत

पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद छात्रा का शव परिवार को सौंपा, जांच दल का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने मंगलवार को भुवनेश्वर के एम्स में पोस्टमार्टम के बाद नेपाली छात्रा का शव उसके पिता को सौंप दिया, जबकि इस घटना को लेकर राज्यव्यापी आक्रोश फैल गया है और विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाया गया। शहर में स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में बीटेक (कंप्यूटर साइंस) तृतीय वर्ष की छात्रा प्रकृति लम्साल (20) ने रविवार दोपहर को छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी, जिसके बाद परिसर में अशांति फैल गई। लड़की के पिता सुनील लम्साल अपने दोस्तों के साथ यहां पहुंचे और शव के पोस्टमार्टम के दौरान मौजूद रहे। सुनील ने बताया कि वे शव को नेपाल ले जाने की योजना बना रहे हैं। भुवनेश्वर के डीसीपी पिनाक मिश्रा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, पुलिस ने दो मामले दर्ज किए हैं, एक लड़की के चचेरे भाई से मिली शिकायत के आधार पर, फांसी लगाकर आत्महत्या करने के संबंध में और दूसरा सोशल मीडिया वीडियो को लेकर, जिसमें निजी विश्वविद्यालय के सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी घटना पर विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ दुर्व्यवहार व पिटाई करते दिख रहे हैं।

पुलिस ने रमाकांत नायक (45) और जोगेंद्र बेहरा (25) नामक दो सुरक्षा कर्मियों को भी गिरफ्तार कर लिया है और उनके खिलाफ भारतीय न्याय सहिंता (बीएनएस) की धारा 126 (2) गलत तरीके से रोकना, 296 अश्लील हरकतें, 115 (2) स्वेच्छा से चोट पहुंचाना आदि के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने दावा किया कि फुटेज में इन सुरक्षा कर्मियों को धरना देकर लड़की के लिए न्याय की मांग कर रहे छात्रों के साथ मारपीट करते हुए देखा गया। इस बीच, केआईआईटी के अधिकारियों के माफी मांगने के बावजूद, छात्रों ने परिसर में मौन धरना दिया और दो महिला अधिकारियों से व्यक्तिगत माफी की मांग की, जिन्होंने कथित तौर पर नेपाली छात्रों और छात्रावास में रहने वाले दूसरे छात्रों का अपमान किया था। छात्रों की मांग मानते हुए, दो महिला अधिकारियों, जानति नाथ और मंजूषा पांडे ने केआईआईटी के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर एक वीडियो संदेश जारी किया और माफी मांगी।

संस्थान में विदेशी छात्रों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए लड़की के पिता ने दिन में कहा, उन्होंने (केआईआईटी) छात्रों को संस्थान आने के लिए आमंत्रित किया और सभी तरह की सुरक्षा का आश्वासन दिया। हालांकि, यहां चीजें अलग हैं। मैंने अपनी बेटी को उच्च शिक्षा के लिए भेजा था, लेकिन यहां जो हुआ वह स्वीकार्य नहीं है। मुझे सरकार से न्याय मिलने की उम्मीद है।

लड़की के पिता ने कुछ नेपाली छात्रों को छात्रावास से जबरन निकाले जाने और उनकी वापसी यात्रा की व्यवस्था किए बिना रेलवे स्टेशन पर छोड़े जाने से संबंधित पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। इस बीच, ओडिशा सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच टीम का गठन किया। टीम के अन्य सदस्य उच्च शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव हैं। उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने पत्रकारों से कहा, संस्था को नोटिस के तहत रखा गया है, और उच्च स्तरीय टीम के निष्कर्षों के आधार पर उचित कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केआईआईटी अधिकारियों ने छात्रा की मौत और उसके बाद नेपाली छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में राज्य सरकार को सूचित नहीं किया था।

मंत्री ने कहा कि छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग की जांच की जा रही है, और जिम्मेदार लोगों को कानून के अनुसार जवाबदेह ठहराया जाएगा। मंत्री ने कहा, ओडिशा सरकार प्रत्येक छात्र की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी कि न्याय तेजी से और निष्पक्ष रूप से मिले। मंत्री ने कहा कि सरकार ने संस्थान के अधिकारियों को संस्थान से निकाले गए सभी नेपाली छात्रों को वापस लाने का निर्देश दिया गया है। सूरज ने सवाल किया, नेपाली छात्रों को कटक रेलवे स्टेशन पर क्यों उतार दिया गया? संस्थान के अधिकारियों ने घटना के बारे में सरकार को सूचित क्यों नहीं किया, जबकि इसमें विदेशी छात्र शामिल थे? उन्होंने दावा किया कि लगभग 100 नेपाली छात्र परिसर में हैं, 800 अपने घरों के लिए रवाना हो गए हैं। इस बीच, यह मुद्दा राज्य विधानसभा में भी उठा, जहां सभी दलों के विधायकों ने छात्रा की मौत और उसके बाद पड़ोसी देश के छात्रों को छात्रावास से निकाले जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। सभी सदस्यों ने स्वीकार किया कि केआईआईटी में हुईं घटनाओं से राज्य की छवि खराब हुई है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

एक ओर, कांग्रेस ने छात्रा की मौत और छात्रों पर कथित अत्याचार से संबंधित मामले की न्यायिक जांच की मांग की, तो वहीं भाजपा सदस्यों ने केआईआईटी के संस्थापक अच्युता सामंत की गिरफ्तारी की मांग की। बीजू जनता दल (बीजद) ने कहा कि यह घटना भाजपा शासित ओडिशा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति का परिणाम है। इस घटना के बाद नेपाल में भी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, वहां के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने प्रभावित छात्रों को कुछ राहत देने की पेशकश की। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली में नेपाल दूतावास के दो अधिकारी संस्थान का दौरा कर सकते हैं। ओली ने सोमवार को 'फेसबुक' पर लिखा था, मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए यह जानकारी मिली है कि ओडिशा के केआईआईटी विश्वविद्यालय के छात्रावास में एक नेपाली छात्रा की मौत हो गई है और नेपाली छात्रों को जबरन बाहर निकाला गया है। सरकार इस मामले को राजनयिक माध्यमों से देख रही है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है।

मृतका के पिता ने जताई नाराजगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के भुवनेश्वर में केआईआईटी (कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी) में एक छात्रावास में मृत पाई गई नेपाली छात्रा के पिता ने मंगलवार को आरोप लगाया कि इस निजी इंजीनियरिंग संस्थान ने नेपाल से आए छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया। यह बयान तब आया जब शिक्षण परिसर में स्थिति तनावपूर्ण होने के बाद केआईआईटी प्रशासन ने कुछ नेपाली छात्रों को कथित तौर पर उनके छात्रावास से बाहर निकाल दिया। मृतक छात्रा प्रकृति लाम्साल बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी। इंजीनियरिंग संस्थान ने पूरे प्रकरण पर माफ़ी मांगी और दावा किया कि उसने अपने छात्रों के साथ कभी कोई अहित नहीं किया है। एक अधिकारी ने बताया कि मृतका के पिता सुनील लाम्साल मंगलवार की सुबह भुवनेश्वर पहुंचे। उन्होंने कहा, मैंने अपनी बेटी को उच्च शिक्षा के लिए यहां भेजा था। हमें उम्मीद है कि सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी। हमें सरकार और पुलिस प्रशासन पर भरोसा है।

अमित शाह ने हमें आश्वासन दिया कि वह संतोष देशमुख हत्या मामले को देखेंगे : सुले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले को देखेंगे।

सुले ने देशमुख की हत्या के दो महीने बाद भी फरार आरोपी कृष्णा अंधाले को गिरफ्तार करने में 'विफल' रहने के लिए बीड के स्थानीय अधिकारियों की आलोचना की। देशमुख की हत्या ने महाराष्ट्र में सियासी बवाल खड़ा कर दिया क्योंकि राज्य के मंत्री धनंजय मुंडे (जो राकांपा से हैं) और हत्या से जुड़े जबरन वसूली के एक मामले में गिरफ्तार आरोपी वाल्मिक कराड के बीच कथित संबंधों को लेकर विवाद है। मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की नौ दिसंबर 2024 को अगवा कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने अब तक हत्या के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपी कृष्णा अंधाले अब भी फरार है।

सुले ने मसाजोग गांव में देशमुख के परिवार के सदस्यों से और बाद में बीड जिले के ही परली कस्बे में व्यापारी महादेव मुंडे के परिजनों से मुलाकात की। मुंडे की वर्ष 2023 में हत्या कर दी गयी थी। सुले ने मसाजोग गांव में पत्रकारों से कहा कि उन्होंने और बीड के सांसद बजरंग सोनावणे, राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने संतोष देशमुख हत्या मामले के सिलसिले में अमित शाह से मुलाकात की थी और शाह ने इस मामले पर गौर करने का आश्वासन दिया था। राकांपा (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि वह अब देशमुख के परिवार के लिए न्याय की मांग करने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करेंगी। सुले ने महादेव मुंडे के परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी, जिनका मामला अब तक कथित तौर पर अनसुलझा है। उन्होंने बीड के पुलिस अधीक्षक नवनीत कंवट से फोन पर बात की और पारदर्शी जांच की मांग की। इससे पहले दिन में सुले ने वाल्मिक कराड द्वारा जबरन वसूली मामले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने से पहले साझा किए गए एक वीडियो को लेकर भी पुलिस की आलोचना की। उन्होंने कहा, वाल्मिक कराड ने आत्मसमर्पण करने से पहले एक वीडियो बनाया था। आत्मसमर्पण करने से पहले ऐसा वीडियो बनाने की हिम्मत कैसे हुई? कृष्णा अंधाले कहां चला गया? अगर वे (पुलिस) हर दिन हमारे फोन को ट्रैक कर सकते हैं, तो क्या वे कृष्णा अंधाले को नहीं ढूंढ सकते? यह स्वीकार्य नहीं है। बारामती से सांसद ने आरोप लगाया कि सरकार देशमुख हत्या मामले में पारदर्शी नहीं है।

उन्होंने कहा, मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि (सरपंच के) परिवार को हर दूसरे दिन मामले की जानकारी मिले। सुले ने कहा कि पुलिस अधीक्षक महादेव मुंडे हत्या मामले की निगरानी कर रहे हैं।

अदालत ने पीथमपुर संयंत्र में यूनियन कार्बाइड अपशिष्ट निस्तारण के 'परीक्षण' की अनुमति दी

जबलपुर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को भोपाल स्थित बंद पड़े यूनियन कार्बाइड कारखाने से निकले 40 वर्ष पुराने रासायनिक कचरे को धार जिले के पीथमपुर क्षेत्र में निस्तारण का परीक्षण करने की मंगलवार को अनुमति दे दी।

महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने यहां सुनवाई के बाद संवाददाताओं को बताया कि 27 फरवरी से तीन चरणों में परीक्षण के तौर पर कचरे का निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने मंगलवार को कचरा निस्तारण प्रक्रिया के बारे में जन जागरूकता फैलाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जनवरी में उच्च न्यायालय द्वारा मांगी गई अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की।

पीथमपुर के स्थानीय लोग अपने क्षेत्र में कचरे के नियोजित निस्तारण का कड़ा विरोध कर रहे हैं। भोपाल गैस त्रासदी में 5,000 से अधिक लोगों की मौत हो गयी थी। सरकार ने अदालत से अनुरोध किया था कि जागरूकता अभियान चलाया गया है और अब निस्तारण का परीक्षण करने की अनुमति दी जानी चाहिए। सिंह ने बताया कि परीक्षण तीन चरणों में किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक चरण में 10 टन कचरे का निस्तारण होगा।

उन्होंने बताया कि पहले परीक्षण में 135 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से कचरे का निस्तारण किया जाएगा जबकि दूसरे और तीसरे चरण में इसे बढ़ाकर 180 किलोग्राम प्रति घंटे और 270 किलोग्राम प्रति घंटे किया जाएगा।

'जैन समुदाय को हिंदू विवाह अधिनियम के तहत लाभ देना उचित या अनुचित'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय इस मसले पर विचार कर रहा है कि जैन समुदाय को वर्ष 2014 के दौरान अल्पसंख्यक का सरकारी दर्जा मिलने के बाद वैवाहिक विवादों से जुड़े मामलों में इस धर्म के लोगों को हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत लाभ दिया जाना कानूनन उचित है या नहीं? इंदौर के कुटुम्ब न्यायालय के एक फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दिए जाने से उठे सवालों को लेकर अदालत ने इस विषय पर विचार शुरू किया है। इस फैसले में कुटुम्ब न्यायालय के एक अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने जैन समुदाय के 37 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसकी 35 वर्षीय पत्नी के आपसी सहमति से तलाक लेने की अर्जी को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत स्वीकार करने से आठ फरवरी को इनकार कर दिया था।

कुटुम्ब न्यायालय ने कहा था कि जैन समुदाय को 2014 में अल्पसंख्यक का सरकारी दर्जा मिलने के बाद इस धर्म के किसी अनुयायी को उसके धर्म से विपरीत मान्यताओं वाले किसी ''धर्म'' से संबंधित व्यक्तिगत कानून का लाभ दिया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने कुटुम्ब न्यायालय के इस फैसले को उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ में अपील दायर करके चुनौती दी है।

अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति गजेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि पक्षकारों के वकीलों के मुताबिक, इस याचिका में उठाए गए मसले पर किसी भी न्यायालय द्वारा फैसला नहीं किया गया है।

युगल पीठ ने कहा, न्यायालय में उपस्थित कुछ वकीलों का कहना है कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत दायर 28 याचिकाओं को कुटुम्ब न्यायालय के प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश द्वारा खारिज कर दिया गया है और ऐसे कुछ मामलों में उच्च न्यायालय के समक्ष पहले ही अपील दायर की जा चुकी है। उच्च न्यायालय ने कहा कि जब तक वह इस मसले पर कोई निर्णय नहीं सुना देता, तब तक कुटुम्ब न्यायालय को उसके सामने लंबित याचिकाओं को महज इस आधार पर खारिज करने से रोका जाता है कि जैन समुदाय के लोगों को हिंदू विवाह अधिनियम के तहत लाभ नहीं दिया जा सकता।

उच्च न्यायालय ने इस मसले को सुलझाने में अदालत की सहायता के लिए वरिष्ठ वकील ए के सेठी को न्यायमित्र नियुक्त किया और अगली सुनवाई के लिए 18 मार्च की तारीख तय की। जैन समुदाय के सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसकी पत्नी ने कुटुम्ब न्यायालय में हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत 2024 में अर्जी दायर करके आपसी सहमति से तलाक की अनुमति चाही थी।

परीक्षा पे चर्चा : टॉपर्स ने स्कूली छात्रों को पढ़ाई से जुड़े गुर बताए

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वार्षिक कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) के अंतिम संस्करण में मंगलवार को विभिन्न परीक्षाओं के 'टॉपर्स' ने छात्रों को पाठ्यविवरण (सिलेबस) की अधिक सामग्री से तनाव में नहीं आने, विषयों की प्राथमिकता तय करने और पाठ दोहराने से जुड़े गुर बताए। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) से लेकर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के टॉपर से लेकर पीपीसी के पूर्व संस्करणों के छात्रों ने परीक्षा पे चर्चा के एक विशेष सत्र के दौरान अपने अनुभव साझा किए। पीपीसी एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसमें प्रधानमंत्री मोदी बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों के साथ बातचीत करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक टाउन हॉल प्रारूप से हटकर इस बार वार्षिक संवाद के लिए छात्रों के साथ दिल्ली की प्रतिष्ठित सुंदर नर्सरी में चर्चा की।

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और भूमि पेडनेकर, अभिनेता विक्रांत मैसी और आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों ने भी परीक्षा पे चर्चा' के विभिन्न संस्करणों में जीवन और सीखने के प्रमुख पहलुओं पर अपने अनुभव एवं ज्ञान साझा किया।

इलाहाबादिया को गिरफ्तारी से संरक्षण मिला, यूट्यूब कार्यक्रम पर टिप्पणी के लिए न्यायालय ने फटकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने एक यूट्यूब कार्यक्रम के दौरान कथित रूप से अशोभनीय टिप्पणी करने के लिए 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों को लेकर मंगलवार को उन्हें गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया लेकिन उन टिप्पणियों के लिए उनकी कड़ी आलोचना करते हुए इसे ''विकृत मानसिकता का प्रदर्शन'' बताया। 'बीयरबाइसेप्स' के नाम से मशहूर इलाहाबादिया के खिलाफ हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब कार्यक्रम 'इंडियाज गॉट लैटेंट' में माता-पिता और यौन संबंध को लेकर टिप्पणी करने के लिए कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। कार्यक्रम में इलाहाबादिया की 'आपत्तिजनक अस्वीकार्य टिप्पणियों' से नाराज अदालत ने कार्यवाही शुरू होने पर 'इन्फ्लूएंसर' को फटकार लगाई और कहा, ''...उनके दिमाग में कुछ गंदगी है जिसे यूट्यूब के कार्यक्रम में उन्होंने उगला।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पूछा, आपने जो शब्द इस्तेमाल किए हैं, उनसे बेटियों, बहनों, माता-पिता और यहां तक कि समाज को भी शर्मिंदगी महसूस होगी। यह एक विकृत मानसिकता को दर्शाता है। अगर यह अश्लीलता नहीं है, तो क्या है? हमें आपके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को क्यों रद्द या एकसाथ नत्थी करना चाहिए? हालांकि, पीठ ने 'इन्फ्लूएंसर' का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ की दलीलों से सहमति जताई कि उन्हें किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। अधिवक्ता ने कहा कि इसके अलावा उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिल रही हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने चंद्रचूड़ से पूछा, ''क्या आप इस तरह की भाषा के इस्तेमाल का बचाव कर रहे हैं?'' चंद्रचूड़ ने भी माना कि कार्यक्रम में जिस तरह की भाषा इस्तेमाल की गई वह ''अशोभनीय'' थी। हालांकि, वरिष्ठ वकील ने कहा कि सवाल यह है कि क्या ये टिप्पणियां अश्लीलता के बजाय अमर्यादित आपराधिक अपराध के दायरे में आती हैं या नहीं? पीठ ने कहा, अगर आप इस तरह की बातें कहकर सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास कर सकते हैं, तो हो सकता है कि और लोग भी इसी तरह की टिप्पणी करके सस्ता प्रचार पाना चाहते हों।

पीठ ने निर्देश दिया कि यूट्यूब कार्यक्रम इंडिया 'ज गॉट लैटेंट' के दौरान उनकी टिप्पणियों के लिए उनके खिलाफ कोई और प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाएगी। इसके अलावा, शीर्ष अदालत ने विवादास्पद यूट्यूब कार्यक्रम पर इलाहाबादिया और उनके सहयोगी अन्य सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' को अगले आदेश तक कार्यक्रम की कोई भी अन्य कड़ी प्रसारित करने से रोक दिया। पीठ ने इलाहाबादिया को अपना पासपोर्ट ठाणे के पुलिस थाने में जमा करने का निर्देश देते हुए कहा कि वह अदालत की पूर्व अनुमति के बिना भारत से बाहर नहीं जाएंगे। पीठ ने इन्फ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया को उनकी कथित अशोभनीय टिप्पणियों को लेकर महाराष्ट्र, असम में दर्ज प्राथमिकी की जांच में सहयोग करने का निर्देश भी दिया। चंद्रचूड़ ने इलाहाबादिया के जीवन के अधिकार का उल्लेख करते किया और कहा कि उनके खिलाफ एक ही कृत्य के लिए कई स्थानों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। पीठ ने कहा, समाज के मूल्य क्या हैं, ये मानक क्या हैं, क्या आपको पता है? समाज के कुछ स्व-विकसित मूल्य हैं, आपको उनका सम्मान करना चाहिए...। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी को भी समाज के मानदंडों के खिलाफ कुछ भी बोलने की छूट नहीं है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की कोलकाता-हिडन उड़ान सेवा एक मार्च से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। एयर इंडिया की अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस कोलकाता से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के हिंडन हवाई अड्डे के बीच उड़ान सेवा शुरू करने जा रही है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दोनों स्थानों के बीच उड़ान सेवा एक मार्च से शुरू होगी। प्रवक्ता ने बताया कि कोलकाता से हिंडन की उड़ान प्रतिदिन संचालित होगी, जबकि हिंडन से कोलकाता की उड़ान शनिवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन संचालित की जाएगी। यह उड़ान कोलकाता से सुबह सात बजकर 10 मिनट बजे रवाना होगी और प्रतिदिन सुबह साढ़े नौ बजे हिंडन पहुंचेगी। वापसी उड़ान हिंडन हवाई अड्डे से शाम पांच बजकर 20 मिनट पर बजे रवाना होंगी और शाम सात बजकर 40 मिनट पर पूर्वी महानगर पहुंचेगी।

न्यायालय ने सुकेश चंद्रशेखर की याचिका को कानून का 'दुरुपयोग' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की वह याचिका मंगलवार को खारिज कर दी जिसमें उसने खुद को राष्ट्रीय राजधानी की मंडोली जेल से पंजाब और दिल्ली के अलावा किसी अन्य जेल में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ ने कहा कि चंद्रशेखर की ओर से पूर्व में दायर की गई इसी तरह की याचिकाओं को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया था।

पीठ ने चंद्रशेखर से कहा कि उसकी शिकायत दिल्ली सरकार के खिलाफ थी और अब शासन बदल जाने से शिकायत भी समाप्त हो जाती है। पीठ ने कहा, आपके पास खर्च करने के लिए धन है तो आप मौके ले रहे हैं। यह कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। आप एक ही तरह की याचिकाएं कैसे दायर करते रह सकते हैं। पीठ ने कहा, हम संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। हमने मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। हालांकि हम यह कहने से खुद को नहीं रोक सकते कि वर्तमान याचिकाकर्ता ने बदली हुई परिस्थितियों की आड़ में एक के बाद एक रिट दायर करके कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने की कोशिश की है। चंद्रशेखर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोएब आलम ने कहा कि याचिकाकर्ता को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत यह अधिकार प्राप्त है कि उसे उसके परिवार से अलग न रखा जाए। उन्होंने चंद्रशेखर को कर्नाटक या उसके निकट किसी जेल में भेजने का अनुरोध किया। पीठ ने कहा, ''हम समाज और उसकी सुरक्षा को लेकर भी चिंतित हैं। आपके मौलिक अधिकारों को दूसरों की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता। देखिए आपने अधिकारियों के खिलाफ किस तरह के आरोप लगाए हैं।'' उच्चतम न्यायालय ने चंद्रशेखर की याचिका पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा था। चंद्रशेखर ने दावा किया था कि उस पर अपनी शिकायतें वापस लेने का दबाव बनाने के लिए दो कैमरों से निगरानी की गई। उसके वकील ने तर्क दिया कि दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने चंद्रशेखर की शिकायत पर पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, Chandran S, S/o K Shekaran, Aged about 48 years, residing at Shiva Kripa, No 459/12, Kalaparambil House, 4th Cross, Ankanna Reddy Layout, Dodda Banaswadi, Bangalore - 560043, i declare that my daughter name in her X and XII Educational records, her name has been correctly mentioned as SHARAYA C. However, in Army Part II Order, my daughter's name is mentioned as SHARYA and have left out her initials C., I declare that my daughter correct name is SHARAYA C. vide affidavit dated 17/2/2025 sworn to before T. Mallikarjuna Advocate and Notary Bangalore.

केंद्रीय योजनाओं को लागू करने के लिए धनराशि जल्द जारी करे केंद्र : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र से अनुरोध किया कि वह राज्य सरकार को केंद्र प्रायोजित योजनाओं को लागू करने में सक्षम बनाने के लिए निर्धारित समयसीमा के भीतर धनराशि जारी करे। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी को लिखे एक पत्र में मुख्यमंत्री ने धनराशि जल्द जारी करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री के 31 जनवरी के पत्र का हवाला देते हुए, जिसमें कहा गया था कि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0, मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य के तहत 29 जनवरी तक एसएनए खातों में 716.05 करोड़ रुपये खर्च नहीं किए गए थे, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सभी कल्याणकारी योजनाओं को कुशलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। केंद्र प्रायोजित

योजनाओं में राज्य का योगदान समयबद्ध तरीके से जारी किया जा रहा है, लेकिन अक्सर केंद्र का हिस्सा तिमाही के अंत में या उसके बाद की तिमाहियों में ही जारी किया जा रहा है।

उन्होंने पत्र में कहा, एसएनए खाते में 576.22 करोड़ रुपये की कुल अप्रयुक्त राशि में से 409.17 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 में है, जिसके लिए 2023-2024 की चौथी तिमाही के लिए राशि 26 मार्च, 2024 को ही जारी की गई थी। इसी तरह, मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति के संबंध में, चौथी तिमाही की जारी धनराशि का एक बड़ा हिस्सा अप्रैल और मई 2024 के दौरान ही जारी हुआ। उन्होंने कहा, वित्त वर्ष के समापन के भीतर इतनी बड़ी राशि का उपयोग करना संभव नहीं है और इसलिए धनराशि को अगले वित्त वर्ष 2024-25 में ले जाना होगा। उन्होंने कहा कि इसका व्यापक प्रभाव हर तिमाही में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के बारे में उन्होंने कहा कि कुल बजट राशि 304 करोड़ रुपये थी, जिसमें केंद्र का हिस्सा 184 करोड़ रुपये था, जो 60 प्रतिशत था। राज्य का हिस्सा 120 करोड़ रुपये था। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि पीएमएमवीवाई दिशानिर्देशों के अनुसार, केंद्रीय हिस्सा जमा होने के बाद राज्य का हिस्सा जमा किया जाना चाहिए, लेकिन पिछले दो वर्षों से केंद्र द्वारा एक भी किस्त जारी नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि आज तक एसएनए में केवल 30.65 करोड़ रुपये उपलब्ध हैं और एपीआई मुद्दों के कारण यह राशि लाभार्थियों को जमा नहीं की जा सकी है। इसलिए, उन्होंने केंद्र से निर्धारित समयसीमा के भीतर धन जारी करने और राज्य सरकार को कल्याणकारी योजनाओं को अधिक कुशलता से लागू करने में सक्षम बनाने का अनुरोध किया।

दो गैर-ब्राह्मण पुजारियों ने गर्भगृह में प्रवेश और अभिषेक में शामिल होने की अनुमति मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तिरुचिरापल्ली के लोकप्रिय कुमारवयालुर सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के दो गैर-ब्राह्मण पुजारियों ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2021 में उनकी नियुक्ति के बाद से उन्हें मंदिर के गर्भगृह के अंदर कभी नहीं जाने दिया गया। उन्होंने अधिकारियों से गृभगृह के अंदर उनके प्रवेश के लिए कदम उठाने की अपील की। प्रभु और जयपाल नाम के दो पुजारी ने अधिकारियों से 19 फरवरी को होने वाले कुंभाभिषेकम (अभिषेक समारोह) के लिए अनुष्ठानों और संबंधित कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के वास्ते कदम उठाने की मांग की है।

राज्य सरकार द्वारा संचालित मंदिरों में सभी हिंदू जातियों के पुजारियों को नियुक्त करने की योजना के तहत प्रशिक्षण के बाद सरकार ने उन्हें नियुक्त किया था। दोनों पुजारियों ने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री पी के शेखर बाबू और एचआर-सीई के शीर्ष अधिकारियों को दिए गए ज्ञापन में कहा कि वे 14 अगस्त 2021 को नियुक्त किए गए 24 पुजारियों में से हैं।

पुजारियों ने आरोप लगाया कि नियुक्ति के बाद से उन्हें कुमारवायलुर अरुलमिघु सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर के परिसर में केवल भगवान गणेश और नवग्रहों के मंदिरों में पूजा करने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने अपने पत्र में आरोप लगाया, अब तक हमें भगवान मुरुगन के गर्भगृह में प्रवेश करने और पूजा करने की अनुमति नहीं दी गई है। पुजारियों ने पत्र में कहा कि श्रद्धालु उनके साथ सम्मान से पेश आये और उन्हें लोगों की ओर से किसी तरह का भेदभाव नहीं मिला लेकिन शिवाचार्यों ने उन्हें गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं दी। मंदिर के शिवाचार्यों से टिप्पणी के लिए तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

कार दुर्घटना में दो छात्रों की मौत

बेंगलूरु/भाषा। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में रागीहल्ली वन क्षेत्र के समीप तेज गति से जा रही एक कार के कथित तौर पर पेड़ से टकरा जाने के कारण कॉलेज के दो छात्रों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केरल के कोल्लम जिला निवासी शाहरुख और अर्शु की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों की उम्र 23 वर्ष थी। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब साढ़े 11 बजे हुई इस घटना में चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कथित तौर पर वाहन सड़क के किनारे पेड़ से जा टकराया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया गया है और इस बात की जांच की जा रही है कि घटना के समय छात्र कहीं शराब के नशे में तो नहीं थे।

बेंगलूरु ईस्ट स्टेशन पर ट्रेन सेवाओं के लिए ठहराव समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बेंगलूरु ईस्ट स्टेशन के मौजूदा अप और डाउन लाइन प्लेटफॉर्म को हटाने और तीसरी और चौथी लाइन के लिए नई पटरी बिछाने के लिए 13 मार्च से बेंगलूरु ईस्ट स्टेशन को यात्री यातायात के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की अधिसूचना जारी की है।

13 मार्च से ट्रेन संख्या 16021 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-मैसूरु कावेरी एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16220 तिरूपति-चामराजनगर एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 12657 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-केएसआर बेंगलूरु सुपरफास्ट मेल, ट्रेन संख्या 16231 कुड्डालोर पोर्ट-मैसूरु एक्सप्रेस, ट्रेन सं. 16235 तूतीकोरिन-मैसूरु एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16525 कन्याकुमारी-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16519 जोलारपेट्टई-केएसआर बेंगलूरु मेमू, ट्रेन नं. 12609 डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - मैसूरु एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 11013 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कोयंबटूर एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 12577 दरभंगा-मैसूर बागमती एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 66550 केएसआर बेंगलूरु - जोलारपेट्टई मेमू, ट्रेन नंबर 66549 जोलारपेट्टई-केएसआर बेंगलूरु मेमू ट्रेन अगले आदेश तक बेंगलूरु ईस्ट स्टेशन पर नहीं रुकेंगी।

फर्जी सीएसआर फंड घोटाला मामले में ईडी ने की छापेमारी

कोच्चि/नई दिल्ली/भाषा। केरल में कथित फर्जी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) फंड घोटाला मामले की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को यहां कई स्थानों पर छापेमारी की। इस घोटाले में धोखेबाजों द्वारा लैपटॉप, दोपहिया वाहन और घरेलू उपकरण आधे दाम पर देने का झूठा वादा करके कई लोगों से रुपये ऐंठे गए थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मामले के मुख्य संदिग्ध आनंदू कृष्णन से धन प्राप्त करने वाली संस्थाओं, ट्रस्ट और व्यक्तियों के परिसरों की तलाशी ली जा रही है, ताकि गरीब लोगों से एकत्रित धन का पता लगाया जा सके। सूत्रों ने बताया कि कुछ नेताओं, इलेक्ट्रॉनिक सामान के विक्रेता, ऑटोमोटिव डीलर और सहकारी बैंकों तथा एक उर्वरक विनिर्माण कंपनी की भूमिका संघीय जांच एजेंसी की जांच के दायरे में है। एजेंसी को संदेह है कि कथित धोखाधड़ी के तहत जमाकर्ताओं से कम से कम 450 करोड़ रुपये एकत्र किए गए। सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों की कुल संख्या पता करने, एकत्र की गई कुल राशि तथा यह धनराशि कहां भेजी गई और कहां रखी गई, इन सभी का पता लगाने के लिए यह छापेमारी की गई है। धन शोधन का यह मामला केरल पुलिस अपराध शाखा की एक प्राथमिकी से सामने आया।

पुलिस को प्राप्त शिकायतों के अनुसार, धोखेबाजों ने झूठे प्रस्ताव दिए और दावा किया कि यह छूट विभिन्न गैर सरकारी संगठनों और धर्मार्थ संगठनों की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों का हिस्सा है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में लगभग 37 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की गई। डुक्की जिले के थोडुपुझा निवासी कृष्णन को स्कूटर, सिलाई मशीन, घरेलू उपकरण और लैपटॉप आधी कीमत पर देने का वादा कर लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पूरे राज्य से मिली शिकायतों के बाद, इस घोटाले को लेकर पुलिस व्यापक जांच कर रही है।

कॉलेज में रैगिंग का एक और मामला

छात्र ने वरिष्ठों पर 'बेरहमी से पीटने' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम में एक सरकारी कॉलेज के छात्र ने रैगिंग का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उसके वरिष्ठों ने उसकी बेरहमी से पिटाई की। कार्यवत्तोम सरकारी कॉलेज में प्रथम वर्ष के बायोटेक्नोलॉजी के छात्र बिन्स जोस ने मंगलवार को बताया कि 11 फरवरी को परिसर में सात वरिष्ठ छात्रों के एक समूह ने उसकी कथित तौर पर पिटाई की, उसका उत्पीड़न किया और धमकी दी।

कोट्टायम के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में एक कनिष्ठ छात्र का क्रूर तरीके से शारीरिक उत्पीड़न का मामला केरल में व्यापक जन आक्रोश का मुद्दा बना हुआ है और इसकी पृष्ठभूमि में यह नई घटना सामने आई है। जोस ने बताया कि उसने मारपीट के दिन ही पुलिस और कॉलेज प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज करा दी थी। पीड़ित ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया, यह घटना उस समय हुई जब मैं और मेरा दोस्त अभिषेक कैंपस से गुजर रहे थे। तभी वरिष्ठ छात्रों के एक समूह ने हमें रोक लिया और मुझे पीटना शुरू कर दिया। मेरा दोस्त किसी तरह वहां से भाग निकला और प्राधानाचार्य को इसकी जानकारी दी।

पीड़ित छात्र ने वरिष्ठ छात्रों पर लाठियों और बेल्ट से पीटने का आरोप लगाया। जोस ने उस दिन के भयावह अनुभव को याद करते हुए बताया, इसके बाद मुझे यूनिट रूम में ले जाया गया और वहां बंद कर दिया गया। मेरी शर्ट उतार दी गई और उन्होंने मुझे घुटनों के बल बैठा दिया। जब मैंने पीने के लिए पानी मांगा, तो उनमें से एक ने आधा गिलास पानी में थूका और मुझे दे दिया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि वरिष्ठ छात्रों ने उसे धमकी दी कि अगर उसने इस घटना के बारे में किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। जोस ने बताया कि आरोपी छात्रों ने उसे अपने दोस्त के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए भी मजबूर किया।

कझाकुट्टम थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने 11 फरवरी को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है, जिसमें दंगा, गलत तरीके से बंधक बनाना आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया, केरल रैगिंग निषेध अधिनियम 1998 के प्रावधानों के अनुसार, पुलिस ने कॉलेज के यूनिट प्रमुख (प्रधानाचार्य) से अनुरोध किया है कि वे शिकायत के अनुसार संस्थान में कोई रैगिंग हुई है या नहीं, इसकी जांच करके हमें रिपोर्ट सौंपें। प्रधानाचार्य ने सोमवार को इस संबंध में एक रिपोर्ट दी, जिसमें छात्र की शिकायत में उल्लेखित मुद्दे सही होने की पुष्टि की गई। अधिकारी ने बताया, जैसे ही हमें रिपोर्ट मिली, हमने मामले में रैगिंग की धाराएं भी जोड़ दीं। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में एक रिपोर्ट जल्द ही अदालत को सौंपी जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) विपक्ष ने मंगलवार को कार्यवत्तोम के सरकारी कॉलेज में रैगिंग की घटना की कड़ी निंदा की और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र शाखा स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ता इस घटना के पीछे हैं। यूडीएफ के संयोजक एमएम हसन ने कहा, एसएफआई कार्यकर्ताओं ने प्रथम वर्ष के छात्र के साथ जिस तरह का व्यवहार किया, उसे सुनकर बहुत बुरा लगा। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि वह शुरू में पीड़ित की शिकायत के आधार पर रैगिंग की धारा जोड़ने की इच्छुक नहीं थी। उन्होंने एक बयान में आरोप लगाया कि एसएफआई राज्य के कॉलेज परिसरों में मादक पदार्थ के खतरे को फैलाने में मदद कर रही है। हसन ने एसएफआई के कार्यकर्ताओं को अपराधी करार देने तथा वामपंथी संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

नई शिक्षा नीति भारत के युवाओं को सशक्त बनायेगी, द्रमुक सरकार अराजकता पैदा कर रही है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा कि क्या द्रविड़ आदर्श शासन में द्रविड़ भाषाओं के लिए कोई स्थान नहीं है? क्या झूठा हिंदी विरोधी रुख उचित है? केंद्र सरकार की त्रिभाषा नीति का द्रमुक द्वारा विरोध डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा निर्धारित संवैधानिक सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है। क्या तमिलनाडु सरकार द्वारा बच्चों को उनकी मातृभाषा तमिल के साथ-साथ अपनी पसंद की भाषा सीखने से रोकना उचित है? मुख्यमंत्री का यह बयान कि छात्रों को तीसरी भाषा के रूप में तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ या हिंदी पढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी, हमारे संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि तमिलनाडु के छात्रों को इस शैक्षणिक स्वतंत्रता से वंचित करने की डीएमके सरकार की कोशिशों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने विफल कर दिया है। अब तमिलनाडु के छात्र तमिल और अंग्रेजी के साथ-साथ अपनी पसंद की भाषा भी सीख सकेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आश्वासन दिया है कि तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति लागू की जाएगी। वर्ष 1960 के दशक से ही डीएमके ने जनता को गुमराह किया है और उनका दिमाग खराब किया है। अब वह तीन-भाषा नीति का विरोध करके विभाजनकारी, राष्ट्र-विरोधी और जन-विरोधी राजनीति कर रही है। इस तरह की हरकतें तमिलनाडु के छात्रों के साथ विश्वासघात हैं। खुद को तमिलनाडु का पिता कहने वाले मुख्यमंत्री को ऐसा करने का न तो नैतिक अधिकार है और न ही योग्यता।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए 'पीएम श्री' योजना शुरू की है। हालांकि डीएमके ने शुरू में इस योजना को लागू करने पर सहमति जताई थी, लेकिन बाद में उसने आवंटित धन की मांग करते हुए इसे वापस ले लिया। जैसा कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया, किसी योजना के लिए धन तभी वितरित किया जा सकता है जब योजना को लागू किया जाए। द्रमुक का एजेंडा हमेशा से भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा देना और लोगों के बीच अलगाववादी विचारधारा के बीज बोना रहा है। अब उन्होंने झूठा प्रचार शुरू कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार हिंदी थोप रही है।

दिलचस्प बात यह है कि तमिलनाडु के सभी निजी और अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में तीन-भाषा नीति का पहले से ही पालन किया जा रहा है, जिसमें द्रमुक सदस्यों द्वारा संचालित स्कूल भी शामिल हैं। इन स्कूलों में, हिंदी को अक्सर तीसरी भाषा के रूप में चुना जाता है। जबकि राजनेताओं के बच्चे और अमीर लोग इस बहुभाषी शिक्षा से लाभान्वित होते हैं, सरकार आर्थिक रूप से वंचित सरकारी स्कूल के छात्रों को उसी अवसर से वंचित कर रही है। द्रमुक राजनीतिक लाभ के लिए भाषाई भावनाओं का शोषण कर रही है, सरकारी स्कूल के छात्रों को मोहरे के रूप में इस्तेमाल कर रही है। हालाँकि, तमिलनाडु के लोगों ने इस चाल को समझ लिया है।

एलआईसी ने वन मैन ऑफिस का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अपनी बिक्री टीम को सशक्त बनाने और पॉलिसीधारकों को 24गुणा7 आधार पर डिजिटल रूप से निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों के साथ, एलआईसी ने आज अपने एजेंटों के माध्यम से वन मैन ऑफिस (ओएमओ)ऑनलाइन सेवा का अनावरण किया। 'वन मैन ऑफिस' के माध्यम से, एलआईसी का लक्ष्य एजेंटों, विकास अधिकारियों, वरिष्ठ व्यावसायिक सहयोगियों, मुख्य जीवन बीमा सलाहकारों, सहयोगियों और मुख्य आयोजक से युक्त अपनी बिक्री टीम के लिए एक व्यापक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना है, ताकि उनके दिन-प्रतिदिन के कार्यों में सहायता मिल सके, उनकी दक्षता और उत्पादकता को मजबूत किया जा सके और हमारे ग्राहकों को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित की जा सके। यह सेवा 17 फरवरी को लॉन्च की गई है।

इस अवसर पर एलआईसी के सीईओ और एमडी सिद्धा मोहंती ने कहा कि यह जीवन बीमा को बढ़ावा देने और डखउ के ग्राहकों को कभी भी और कहीं भी सेवा प्रदान करने के लिए बिक्री टीम के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण होगा। ओएमओ का उद्देश्य हमारे एजेंटों को पॉलिसियों की डिजिटल बिक्री में सहायता करना, विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए ग्राहकों के लिए बिक्री के बाद सेवा प्रदान करना, उनके व्यवसाय पर नज़र रखना और उनके लिए प्रशिक्षण सह ज्ञान पूल के रूप में कार्य करना है। संक्षेप में, यह बिक्री बल के हाथों में एक मोबाइल डिजिटल कार्यालय है और सभी व्यवसाय और सेवा आवश्यकताओं के लिए उपयोग में आसान वन स्टॉप समाधान के रूप में विकसित होने की योजना है, जो उनके मोबाइल फोन के माध्यम से उपलब्ध होगा, इस प्रकार उन्हें हर मायने में वास्तव में आत्मनिर्भर बना देगा।

ये सेवाएं ग्राहकों को जोड़ने के लिए आनंद (आत्मनिर्भर एजेंट्स न्यू बिजनेस डिजिटल एप्लीकेशन) प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रदान की जाती हैं और इसमें प्रीमियम कैलकुलेटर, लाभ चित्रण, ई-एनएसीएच पंजीकरण, पते में परिवर्तन, ऑनलाइन ऋण अनुरोध, नवीकरण प्रीमियम भुगतान, दावा संबंधी आवश्यकता प्रस्तुतीकरण आदि जैसी सुविधाएं होंगी। इसमें ग्राहकों की सहायता के लिए एजेंटों की सहायता के लिए ज्ञान केंद्र, विभिन्न बीमा और स्वास्थ्य संबंधी कैलकुलेटर, कार्यालय लोकेटर, एनईएफटी खोज आदि भी होंगे। एलआईसी उपयोगकर्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए चरणबद्ध तरीके से इस एप्लीकेशन में और अधिक सुविधाएं जोड़ने की योजना बना रही है।

केरल में जानलेवा हमलों के बाद पेटा इंडिया ने यांत्रिक हाथी दान करने की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में बीते 10 दिनों के दौरान हाथियों के हमलों में पांच लोगों की मौत, कईयों के घायल होने तथा मंदिर और मस्जिद के उत्सवों के दौरान संपत्ति को नुकसान पहुंचने के बाद, एक पशु अधिकार संगठन ने अनूठी पेशकश की है। 'पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) इंडिया' नामक संस्था ने प्रभावित मंदिरों और मस्जिदों को पत्र भेजकर यांत्रिक हाथी दान करने की पेशकश की है।

इस पेशकश के साथ ही 'पेटा इंडिया' ने एक शर्त रखी जिसके अनुसार, संस्थाओं को इस्तेमाल किए जा रहे हाथी अभयारण्यों में भेजने के लिए सहमत होना होगा, जहाँ वे बिना जंजीरों के, अपनी ही प्रजाति के पशुओं के बीच स्वतंत्र रूप से रह सकेंगे। साथ ही उन्हें प्रतिज्ञा करनी होगी कि वे असली हाथी का उपयोग नहीं करेंगे। इन पत्रों में 'पेटा इंडिया' ने कहा कि त्योहारों व जुलूसों में हाथियों का उपयोग किया जाता है तथा ऊंची आवाजों में बजते गाने, यातायात के शोर, पटाखों और अन्य वजहों से होने वाली तेज आवाजों से इन जानवरों को अत्यधिक शारीरिक व मानसिक तनाव होता है।

पेटा इंडिया ने यह भी कहा कि जंजीरों और पिटाई जैसे दर्दनाक और प्रतिबंधात्मक तरीकों से नियंत्रित किए जाने से जानवर परेशान हो जाते हैं। पेटा इंडिया की वकालत परियोजना निदेशक खुशबू गुप्ता ने कहा, पेटा इंडिया मंदिरों और देवस्वोम बोर्डों, मस्जिदों और अन्य लोगों से यांत्रिक हाथियों या अन्य गैर-पशु साधनों के साथ दयालु और सुरक्षित तरीके से रीति-रिवाजों का पालन-संचालन करने की अपील करता है।

पेटा इंडिया के अनुसार, चार फरवरी से केरल में मंदिर और मस्जिद के आयोजनों में कई हाथियों के हिंसक हो जाने से हादसे हुए। त्रिशूर में एक हाथी ने एक व्यक्ति को मार डाला, जबकि दूसरे ने पलक्कड़ में अपने महावत को कुचला, दुकानों और वाहनों को नष्ट कर दिया। अन्य घटनाओं में भीड़ में हाथियों ने उत्पात मचाया जिससे दहशत फैल गई। पेटा इंडिया ने 2023 की शुरुआत में एक आंदोलन शुरू किया था, जिसके तहत जीवित हाथियों के स्थान पर यांत्रिक हाथियों का इस्तेमाल किये जाने की पेशकश की गई थी।

बयान के मुताबिक, दक्षिण भारत के मंदिरों में कम से कम 13 यांत्रिक हाथियों का उपयोग किया जा रहा है। पेटा इंडिया ने उनमें से आठ को केरल और कर्नाटक के मंदिरों को दान कर दिया है, क्योंकि उन्होंने जीवित हाथियों का उपयोग बंद करने का निर्णय लिया है। इसमें कहा गया है कि इन यांत्रिक हाथियों का उपयोग अब मंदिरों में सुरक्षित तरीके से समारोह आयोजित करने के लिए किया जाता है। वहीं दूसरी ओर असली हाथी जंगल में अपने परिवारों के साथ रह सकते हैं। प्रत्येक यांत्रिक हाथी तीन मीटर लंबा होता है, इसका वजन 800 किलोग्राम होता है। यह रबर, फाइबर, धातु, जाली, फोम और स्टील से बना होता है। पाँच मोटरों की मदद से इनका संचालन किया जाता है।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने 'आधार' आधारित खाता खोलने की सेवा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने अपने 89वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आधार-ओटीपी आधारित खाता खोलने और एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) बैंकिंग सुविधाएं शुरू की हैं। एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

यह पहल व्यक्तिगत और कॉरपोरेट ग्राहकों, दोनों को सरलीकृत बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार की गई है।

चेन्नई मुख्यालय वाले बैंक ने आधार ओटीपी (एकल उपयोग पासवर्ड) आधारित खाता खोलने की सुविधा शुरू की है, जिससे ग्राहक बैंक की वेबसाइट के माध्यम से आसानी से बचत खाता खोल सकेंगे। बैंक ने यहां बयान में कहा, यह डिजिटल प्रक्रिया भारतीय रिजर्व बैंक के (आरबीआई) के आधार' ओटीपी-आधारित ई-केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) दिशानिर्देशों का पालन करती है, जिससे सुरक्षित और परेशानी-मुक्त अनुभव सुनिश्चित होता है। न्यूनतम दस्तावेजों के साथ, ग्राहक जल्दी से और नियामकीय मानदंडों के अनुसार लेनदेन सीमा के अधीन खाता खोल सकते हैं।

इसी प्रकार, कॉरपोरेट बैंकिंग में स्वचालन की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने के लिए, इंडियन ओवरसीज बैंक ने कहा कि उसने एपीआई बैंकिंग सेवा शुरू की है, जिसके तहत कॉरपोरेट ग्राहक वास्तविक 'समय' के आधार पर सीधे अपनी लेखा प्रणालियों से लेनदेन और अंतर-बैंक स्थानान्तरण कर सकेंगे।

कम्बामाला जंगल में फिर लगी आग, वन विभाग को साजिश का संदेह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल के पहाड़ी जिले वायनाड के कम्बामाला जंगलों में दावानल से घास के मैदान के एक हिस्से के नष्ट हो जाने के एक दिन बाद, मंगलवार को फिर मनंतावडी के पास उन्हीं पहाड़ियों में आग भड़क उठी। वन विभाग को संदेह है कि यह कोई 'प्राकृतिक घटना' नहीं थी। वन अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को अंदरूनी वन में लगभग 10 हेक्टेयर घास का मैदान आग से नष्ट हो गया। वन एवं अग्निशमन विभागों के अधिकारियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, मंगलवार को एक बार फिर उसी पहाड़ी पर आग की लपटें फैल गईं। उत्तरी वायनाड के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) मार्टिन लोवेल ने एक वीडियो संदेश में इस घटना पर संदेह व्यक्त करते हुए कहा कि आग प्राकृतिक नहीं प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि किसी ने जानबूझकर आग लगाई होगी, क्योंकि यह घटना जंगल के अंदर घास के मैदानों में हुई, जहां ऐसी आग आमतौर पर प्राकृतिक रूप से नहीं लगती है।

श्रीगंगानगर में किसानों का धरना और चक्का जाम समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के घड़साना में सिंचाई पानी, फसल खराबा मुआवजा एवं सरसों के भुगतान को लेकर गत दस फ़रवरी से संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा जारी धरना और 15 फरवरी से टोल नाका 13 एमडी पर जारी चक्का जाम सोमवार को जिला प्रशासन और किसानों के बीच हुए समझौते के बाद समाप्त हो गया।

संयुक्त किसान मोर्चा की मांगों पर जिला प्रशासन द्वारा पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने के आश्वासन पर प्रतिनिधिमण्डल पदाधिकारियों ने धरना और चक्का जाम समाप्त करने की घोषणा कर दी।

अनूपगढ़ अतिरिक्त जिला कलक्टर अशोक सांगवा ने बताया कि सोमवार शाम को एडीएम ऑफिस अनूपगढ़ में जिला कलक्टर डॉ. मंजू, पुलिस अधीक्षक गौरव यादव और संयुक्त किसान मोर्चा प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई। इस दौरान सिंचाई पानी, फसल खराबा मुआवजा एवं सरसों के भुगतान पर जिला प्रशासन ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिला प्रशासन की ओर से आश्वस्त किया गया कि सरहिंद फीडर का कार्य 28 फरवरी तक पूर्ण होने के पश्चात पंजाब सरकार से अतिरिक्त सिंचाई पानी लेने के लिए पुरजोर प्रयास किए जाएंगे। जिला प्रशासन के इस आश्वासन पर किसानों ने धरना और चक्का जाम समाप्त करने की घोषणा की।

डा मंजू ने बताया कि वार्ता के पश्चात किसान नेताओं ने धरना और चक्का जाम समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि किसानों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव द्वारा पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी की पालना में जिला प्रशासन ने किसानों की पीड़ा को समझते हुए उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से जारी धरना और चक्का जाम को लेकर जिला प्रशासन ने गंभीरतापूर्वक किसानों से बातचीत करते हुए उनकी मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

किसानों के साथ जिन मांगों पर सहमति बनी उनमें किसानों द्वारा अतिरिक्त सिंचाई पानी की मांग पर जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि आगामी 28 फरवरी के पश्चात् होने वाली बीबीएमबी की तकनीकी बैठक में अतिरिक्त पानी की मांग को पुरजोर तरीके से रखा जाएगा। रबी फसल 2022-23 में पाला से फसल खराबे से प्रभावित कुल 39608 प्रभावित किसानों में से 9,181 को भुगतान किया जा चुका है।

राजस्थान सरकार प्रदेश को पानी के क्षेत्र में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार को प्रदेश को पानी के क्षेत्र में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है कि इसके लिए एक वर्ष के कार्यकाल में हमने प्रदेश में जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने के साथ अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

शर्मा सोमवार रात यहां एक निजी होटल में जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास में पानी एक मूलभूत आवश्यकता है। प्रदेश की आठ करोड़ जनता को पर्याप्त मात्रा में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने जल स्रोतों का विकास कर उनकी जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने सहित कई कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी की जल आवश्यकता की पूर्ति हेतु राम जलसेतु लिंक परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। साथ ही, शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल लाने के लिए एमओयू किया गया है। उदयपुर में देवास योजना के माध्यम से जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। माही बांध से बांसवाड़ा-डूंगरपुर को पेयजल एवं सिंचाई के लिए योजना प्रारंभ की गई है।

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षाकाल में घग्गर नदी में पानी की अधिक आवक होने पर पानी बहकर नहीं जाए इसके लिए

एक प्रभावी योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि नदी में जब भी पानी की अधिक आवक हो उसका उपयोग पेयजल और सिंचाई के लिए किया जाए। मुख्यमंत्री ने पंजाब सीमा क्षेत्र में इंदिरा गांधी नहर के पक्कीकरण के शेष कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जंवाई डेम, माही डेम, देवास परियोजना, यमुना जल समझौते आदि के कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। इस दौरान अधिकारियों ने नक्शे के माध्यम से मुख्यमंत्री को घग्गर नदी के प्रवाह मार्ग के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के प्रथम चरण के कास्तकारों द्वारा सिंचाई के लिए अतिरिक्त पानी सहित अन्य मांगों को लेकर श्रीगंगानगर जिले के घड़साना उपखण्ड कार्यालय के समक्ष संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से जारी धरना और टोल नाका 13 एमडी पर जारी चक्का जाम जिला प्रशासन और किसानों के बीच वार्ता में समझौता होने के बाद समाप्त हो गया है।

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष हिमाचल प्रदेश में वर्षा की कमी के कारण पोंग बांध में जल संग्रहण कम होने तथा रणजीत सागर बांध में नगण्य आवक के कारण इंदिरा गांधी नहर परियोजना से पानी लेने वाले किसानों को गत वर्षों की भांति सिंचाई जल उपलब्ध कराया जाना संभव नहीं था। फिर भी राज्य सरकार के प्रयासों से राजस्थान के हिस्से के 20 मई तक निर्धारित पानी को जनवरी माह के अंत तक प्राप्त कर किसानों को सिंचाई हेतु उपलब्ध कराया गया। जिला प्रशासन की ओर से संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया गया कि पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जन भागीदारी से जल संचय का अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत प्रदेश के 40 हजार गांवों में जल संचय के कार्य किए जा रहे हैं।

परीक्षा में नहीं बैठने देने को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर/एजेन्सी। राजस्थान में अलवर शहर के सबसे बड़े बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में पांच मिनट देरी से आने वाले छात्रों को परीक्षा में नहीं बैठने देने से आक्रोशित छात्रों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया।

स्नातक की थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम में मंगलवार सुबह चार छात्र समय से करीब पांच मिनट देरी से आए तो उनको परीक्षा में नहीं बैठने देने दिया गया। कॉलेज प्रशासन की इस तानाशाही के चलते छात्र नेताओं में आक्रोश पैदा हो गया। जिसके बाद कुछ छात्र नेताओं ने स्टूडेंट्स के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन किया। कॉलेज प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसके बाद आक्रोशित छात्रों ने कला कॉलेज और प्राचार्य के चैंबर पर ताला भी जड़ दिया।

कॉलेज के छात्र नेता मोहित चौधरी ने बताया कि आज स्नातक के थर्ड सेमेस्टर के एग्जाम थे। चार विद्यार्थी केवल पांच मिनट देर से पहुंचे थे। एक छात्रा को एक बार अदंर ले लिया गया था। वहां उपस्थिति भी लगा दी। उसके बाद बाहर कर दिया गया। जिसके कारण वे सभी एग्जाम नहीं दे सके। कॉलेज प्रशासन ने जानबूझकर एग्जाम से रोक दिया। एक बार स्टूडेंट्स को प्रवेश भी दिया गया। लेकिन बाद में वापस कर दिया। इसके बाद छात्रों ने एकत्रित होकर विरोध किया। कॉलेज प्राचार्य के कक्ष पर ताला जड़ दिया।

उन्होंने कहा कि जब तक कॉलेज प्रशासन की मनमानी चलती रहेगी और छात्रों का भविष्य अंधकार में रहेगा वह ताला नहीं खोलेंगे। इन विद्यार्थियों को परीक्षा बैठने की व्यवस्था की जाए। इधर कॉलेज प्रशासन छात्रों से ताला खुलवाने की मनुहार करता रहा लेकिन छात्र बिल्कुल नहीं माने। नारेबाजी करते रहे और ताला देर शाम तक नहीं खोला।

सूचना के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। इधर इधर छात्र नेताओं की नारेबाजी से परीक्षा में भी व्यवधान हुआ।

देश के 152 व राजस्थान के दस नगरीय निकायों में 'नक्शा' की शुरुआत : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को एक नई दिशा प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का प्रगतिशील और तकनीकी रूप से उन्नत राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न तकनीकी नवाचार किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों में नक्शा प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया। राजस्थान सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए राज्य के 10 नगरीय निकायों का चयन किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत भिवाड़ी, किशनगढ़, ब्यावर, सवाईमाधोपुर, जैसलमेर, पुष्कर, बगरू, बहरोड़, नवलगढ़ और नाथद्वारा में नगरपालिका की सम्पूर्ण भूमि क्षेत्र का ड्रोन सर्वेक्षण द्वारा डिजिटल मैपिंग करवा भूमि अधिकार अभिलेख का डिजिटलीकरण किया जाएगा। जिससे भूमि संबंधी सूचनाओं को साझा करना और पारदर्शी बनाना आसान होगा।

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि नक्शा परियोजना से शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी। इस उन्नत भूमि प्रबंधन प्रणाली से शहरी क्षेत्र में जमीन से जुड़ी प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि इससे शहरी क्षेत्रों में संपत्तियों का सटीक सीमांकन संभव होगा। सम्पत्ति के स्वामित्व की जानकारी भी रजिस्टर होंगी तथा लैंड रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगे।

बजट

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी 19 फरवरी (बुधवार) को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगी। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को राज्य के वर्ष 2025-26 के बजट को अंतिम रूप दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव (बजट) देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव (व्यय) नवीन जैन, शासन सचिव (राजस्व) कुमारपाल गौतम, निदेशक (बजट) बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित रहे।

वर्ष 2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना केन्द्र सरकार का विजन : पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर/एजेन्सी। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने वर्ष 2047 तक भारत को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाना केन्द्र सरकार का विजन बताते हुए कहा है कि वह जल प्रबंधन के लिए प्रभावी कार्ययोजना बना रही है।

पाटिल मंगलवार को उदयपुर में राज्य जल मंत्रियों के दूसरे अखिल भारतीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने के विजन पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रामजल सेतु परियोजना (संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना) के तहत राजस्थान को ज्यादा पानी मिलेगा। परियोजना के तहत आने वाले समय में राजस्थान को बड़ी मात्रा में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते के तहत भी राजस्थान तथा हरियाणा राज्यों के त्वरित निर्णय से यमुना का सरप्लस वॉटर राजस्थान में आना संभव हो पाएगा। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी को 2047 तक देश को जल सुरक्षित राष्ट्र बनाने, हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने, किसानों को जल संकट से मुक्ति, नदी-जलाशयों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोदीजी ने स्वच्छता पर जोर दिया तथा 12 करोड़ शौचालय बनाए जिससे 60 करोड़ लोग लाभान्वित हुए तथा डायरिया जैसी गंभीर बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत अब देश के 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। पानी की शुद्धता को जांचने के लिए 25 लाख महिलाओं को किट एवं प्रशिक्षण दिया गया। इसी तरह, वर्षा जल संग्रहण के लिए कैच द रैन का अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत कर्म भूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से प्रवासी गांवों में भू जल पुर्नभरण के लिए रिचार्ज वैल बनाने में योगदान दे रहे हैं।

इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि ओडिशा में से महानदी, गोदावरी, नर्मदा और ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदिया बहती है जो जल संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में वर्षा पर्याप्त है लेकिन वर्षा वितरण में असमानता है। इसलिए जल सुरक्षित राज्य के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमने बाढ़ नियत्रंण तथा जल संरक्षण को विभिन्न परियोजनाओं में प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी महिला स्वयं सहायता समूह भी भू जल रिचार्ज करने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रही हैं।

सरकारी स्कूलों में उर्दू की जगह संस्कृत पढ़ाने के आदेश पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान के कुछ सरकारी स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में उर्दू की जगह संस्कृत को शामिल किए जाने के आदेश पर विवाद हो गया है।

शिक्षा विभाग ने हाल में जयपुर के महात्मा गांधी सरकारी स्कूल (आरएसी बटालियन) को तीसरी भाषा के रूप में उर्दू पढ़ाने वाली कक्षाओं को बंद करने और इसे एक विकल्प के रूप में शुरू करने का आदेश जारी किया था।

कुछ दिनों बाद, बीकानेर के एक सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय को भी तीसरी भाषा को बदलने के लिए इसी तरह का आदेश दिया गया।

इन दोनों आदेशों को लेकर मुस्लिम समुदाय में नाराजगी के बीच सोमवार को गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि पिछली सरकार ने संस्कृत शिक्षकों को हटाकर उर्दू के शिक्षक भर्ती किए।

बेढम ने सोमवार को भरतपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, पिछली (कांग्रेस) सरकार ने संस्कृत शिक्षकों को हटाकर उनकी जगह उर्दू शिक्षकों को नियुक्त किया था। अब हम उर्दू नहीं जानते और कोई भी उस विषय को पढ़ता भी नहीं है, इसलिए हम उर्दू शिक्षकों के पदों को समाप्त करेंगे और यहां लोगों को जिस तरह की शिक्षा चाहिए, वह प्रदान करेंगे।

यह बयान सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ। राजस्थान के उर्दू शिक्षक संघ ने मंत्री की टिप्पणी को निराधार और गैरजिम्मेदाराना बताया।

उर्दू शिक्षक संघ के अध्यक्ष अमीन कायमखानी ने कहा, यह कहना गलत है कि पिछली कांग्रेस सरकार ने संस्कृत शिक्षकों की जगह उर्दू शिक्षकों को नियुक्त किया था।

सरकार के इस फैसले के बारे में पूछे जाने पर स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को संवाददाताओं से बात करने से इनकार कर दिया।

हालांकि, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक आशीष मोदी ने कहा कि यह सभी स्कूलों के लिए एक समान आदेश नहीं है।

उन्होंने कहा, यह एक समान आदेश नहीं है। बीकानेर के नापासर के एक सरकारी स्कूल में एक छात्र को छोड़कर कोई भी तीसरी भाषा के रूप में उर्दू नहीं पढ़ता है। यही कारण है कि इसे बंद किया गया।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (आरएसी बटालियन), जयपुर में उर्दू की कक्षाएं बंद करने का आदेश दिलावर के विशेष सहायक के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किया।

आदेश में कहा गया है, मंत्री ने संस्कृत शिक्षकों के पद सृजित करने तथा उर्दू (कक्षाएं) बंद करने के आदेश दिए हैं। इसलिए अपने विद्यालय में तीसरी भाषा के रूप में संस्कृत शुरू करने का पूरा प्रस्ताव इस कार्यालय को अवश्य भेजें।

इस पर आपत्ति जताते हुए कांग्रेस विधायक रफीक खान ने दिलावर को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में विद्यालय में 127 विद्यार्थी तीसरी भाषा के रूप में उर्दू पढ़ रहे हैं और उर्दू कक्षाएं बंद करने से विद्यार्थियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

रास्ते को लेकर दो पक्षों में झगड़ा, पांच घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर/एजेन्सी। राजस्थान में अलवर जिले के मालाखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम सुमेल का बास में खेत के आम रास्ते को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया, जिसमें पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार परिवादी मनीराम ने बताया उनके परिवार के ही कुछ लोग हैं, जो उनके खेत से जबरन तरीके से रास्ता मांगते हैं। उनको रास्ता भी दे दिया, लेकिन वे खेत के बीच में से रास्ता मांगते हैं, और इसके लिये उन्होंने न्यायालय से स्थगनादेश ले रखा था, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया। उसी रंजिश के तहत गोकुल, सांवली, रामावतार रामकृपाल , अशोक ,महेश , मनीष ,यादराम ,सोनू, उमेश कपिल, बृजमोहन, काली , मीरा, आशा मनीषा कई लोग घर में घुस गये और लाठी- डंडों से मारपीट की वारदात को अंजाम दिया गया, यह घटना सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गयी।

इस घटना में धोली, लक्ष्मी, रामस्वरूप, मनीरामएवं रामफूल घायल हो गये, जिन्हें इलाज के लिये मालाखेड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर अवस्था के कारण पांचों घायलों को जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विद्यालय में बने टैंक में गिरने से तीन छात्राओं की मौत

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में बीकानेर जिले के नोखा कस्बे में मंगलवार को एक सरकारी स्कूल में पानी के टैंक के मलबे में दबने से तीन छात्राओं की मौत हो गयी। पुलिस उपाधीक्षक हिमांशु शर्मा ने बताया कि यह हादसा मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे राजकीय प्राथमिक विद्यालय देवानाडा में हुआ। ये छात्रायें खेलते-खेलते स्कूल परिसर में बने पानी के टैंक के ऊपर पहुंच गयी। अचानक टैंक की पट्टियां टूट गयीं और सभी छात्रायें करीब आठ फुट नीचे गिर गयीं और पट्टियों के मलबे के नीचे दब गयीं। घटना में घायल छात्राओं को मलबे से बाहर निकाल कर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक छात्राओं के नाम भावना, रविना एवं प्रज्ञा है, जिनकी उम्र पांच से आठ वर्ष के बीच है। मृतकों के शव नोखा के उप जिला अस्पताल में रखवाये हैं। हादसे की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी गोपाल जांगिड़ और नोखा थानाधिकारी अमित स्वामी अस्पताल पहुंचे और हादसे की जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रात्रि भोज

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में 18 और 19 फरवरी को आयोजित होने वाले द्वितीय अखिल भारतीय राज्य जल मंत्रियों के सम्मेलन से पूर्व सोमवार रात्रि को सम्मेलन के प्रतिभागियों के सम्मान में जग मंदिर परिसर में रात्रि भोज दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें लोक कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटील के साथ बोट में सवार होकर जग मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर लद्दाख के उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त), त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, जलदाय मंत्री कन्हैया लाल, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित विभिन्न राज्यों के मंत्रीगण, विधायकगण और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने जताई उम्मीद, हार से हताश विपक्ष सदन पर नहीं उतारेगा खुन्नस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र से पहले कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हार से हताश विपक्ष अपनी खुन्नस सदन पर नहीं उतारेगा, बल्कि सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सकारात्मक योगदान देगा। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र से पहले पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, राज्यपाल का अभिभाषण और बजट महत्वपूर्ण मुद्दे होते हैं, जिसमें विपक्ष ही नहीं, बल्कि सदन का हर सदस्य अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकता है। विपक्ष जिस मुद्दे पर चर्चा करना चाहेगा, सरकार उसका तथ्यात्मक जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। हम चाहते हैं कि सदन सार्थक चर्चा का मंच बने। आरोप-प्रत्यारोप या फिर असंसदीय आचरण से समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, उम्मीद करता हूं कि राज्यपाल के अभिभाषण से सुदृढ़ व मर्यादित आचरण की शुरुआत होगी। हम उम्मीद करेंगे कि विपक्ष समेत सभी सदस्यगण सदन में ऐसा आचरण दिखाएंगे, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आमजन की आस्था को और सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बजट सत्र में उत्तर प्रदेश विधानमंडल की कार्यवाही प्रारंभ होने पर सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्यों में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण से इस सत्र की शुरुआत होती है।

मेरी सरकार में अब तक कोई सांप्रदायिक दंगा या जातीय संघर्ष की घटना नहीं हुई : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को बजट सत्र के पहले दिन विधानमंडल के दोनों सदनों को एक साथ संबोधित करते हुए कहा कि मेरी सरकार में अब तक कोई दंगा या जातीय संघर्ष की घटना नहीं हुई।

सदन के पटल पर रखे गये राज्यपाल के अभिभाषण के अनुसार पटेल ने कहा, ''विभिन्न महत्वपूर्ण त्योहारों मेलों, जुलूसों, शोभा यात्राओं व धार्मिक आयोजनों के साथ साथ विभिन्न निर्वाचनों को शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने में सफलता प्राप्त हुई है।... मेरी सरकार में अब तक कोई सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की घटना नहीं हुई है।'' दरअसल, राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों के भारी विरोध और हंगामे के बीच राज्यपाल ने सिर्फ आठ मिनट 35 सेकंड में अपना 40 पेज का अभिभाषण समाप्त कर दिया। बाद में उनके अभिभाषण की पुस्तिका सदस्यों में वितरित की गयी। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कानून व्यवस्था और आमजन की सुरक्षा के पहलू को भी प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज के लिए सुरक्षा उसकी मूलभूत आवश्यकता है। पटेल ने विपक्ष की पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना करते हुए कहा, ''2017 के पहले प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी थी और आमजन का शासन-प्रशासन से विश्वास उठ चुका था, पुलिस आधुनिकीकरण व सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को नजीर के रूप में प्रस्तुत किया गया।'' राज्यपाल ने कहा, ''अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था एवं पुलिसिंग के स्तर व गुणवत्ता में नियमित एवं समयबद्ध रूप से सुधार किए जा रहे हैं।

प्रदेशवासियों को अपराध मुक्त एवं भयमुक्त वातावरण देकर रामराज्य की संकल्पना को साकार किया जा रहा है। ऑपरेशन कन्विक्शन के अन्तर्गत जुलाई, 2023 से दिसम्बर, 2024 तक 51 अभियुक्तों को मृत्युदंड, 6,287 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 1091 अभियुक्तों को 20 वर्ष से अधिक सजा, 3,868 अभियुक्तों को 10 से 19 वर्ष तक की सजा, 5,788 अभियुक्तों को पांच से नौ वर्ष की सजा एवं 51,748 अभियुक्तों को पांच वर्ष से कम की सजा से दण्डित कराया गया है।

अखिलेश का कटाक्ष : भारत का नाम बदल कर 'भाजपा' करना ही बाकी रह गया है

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि गाजीपुर जिले में एक प्राथमिक विद्यालय के प्रवेश द्वार से 1965 के युद्ध के नायक वीर अब्दुल हमीद का नाम हटाया जाना बेहद निंदनीय और अशोभनीय है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि अब भारत का नाम बदलकर 'भाजपा' (भरतीय जनता पार्टी) करना ही बाकी रह गया है। गाजीपुर जिले के धामूपुर गांव के स्कूल की हाल ही में रंगाई-पुताई के बाद उसका नाम बदलकर पीएम श्री कम्पोजिट विद्यालय' कर दिया गया था। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने इससे संबंधित खबर का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ये बेहद निंदनीय और अशोभनीय है कि देश के लिए शहीद होने से अधिक महत्व किसी और को दिया जा रहा है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि अब बस यही बाक़ी रह गया है कि कुछ लोग देश का नाम 'भारत' की जगह 'भाजपा' रख दें।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उप राज्यपाल मनोज सिन्हा की उपस्थिति में जम्मू-कश्मीर में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने बैठक में भाग लिया, हालांकि जम्मू कश्मीर के केन्द्र शासित प्रदेश होने के नाते कानून और व्यवस्था सीधे केंद्र सरकार के नियंत्रण में है।

अधिकारियों ने बताया कि अब्दुल्ला और सिन्हा के अलावा केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर सरकार के शीर्ष अधिकारी नॉर्थ ब्लॉक में बैठक में शामिल हुए। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने क्रमशः औपनिवेशिक युग की भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लिया है। नए कानून पिछले साल एक जुलाई से लागू हुए थे। गृह मंत्री इससे पहले उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्यों में नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा कर चुके हैं।

तेलंगाना में रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों को एक घंटा पहले छुट्टी की अनुमति, भाजपा नाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार ने एक परिपत्र जारी कर मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के पवित्र महीने के दौरान एक घंटा पहले दफ्तर छोड़ने की अनुमति दी है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस कदम की आलोचना करते हुए आश्चर्य जताया है कि हिंदू त्योहारों के दौरान ऐसे उपाय क्यों नहीं किए जाते। भाजपा ने सरकार के इस कदम को तुष्टिकरण की राजनीति करार दिया।

हालांकि, सरकार ने कहा कि इस तरह की सुविधा मुहैया कराना कोई नयी बात नहीं है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मुस्लिम कर्मचारियों को रमजान के दौरान तीन मार्च से 31 मार्च तक शाम चार बजे दफ्तर छोड़ने की अनुमति दी है, जो एक घंटा पहले है। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, सेवा की अनिवार्यता के मामले में यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। भाजपा विधायक राजा सिंह ने कहा कि मुस्लिम कर्मचारियों को दी गई यह अनुमति तुष्टिकरण की राजनीति की 'पराकाष्ठा' है। 'एक्स' पर सरकारी परिपत्र साझा करते हुए सिंह ने कहा, तेलंगाना सरकार रमजान के लिए जल्दी छुट्टी देती है, लेकिन हिंदू त्योहारों को नजरअंदाज करती है। सभी के लिए समान अधिकार, या किसी के लिए नहीं। राजा सिंह की टिप्पणियों पर आपत्ति जताते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेता और अल्पसंख्यक मामलों पर सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने कहा कि सरकार के फैसले में कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, यह सुविधा बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) शासन के दौरान दी गई थी।

पुलिस ने अयोध्या में राम मंदिर के ऊपर उड़ रहे ड्रोन को पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। अयोध्या में मंगलवार को ड्रोन रोधी प्रणाली के परीक्षण के दौरान पुलिस ने राम मंदिर मार्ग पर संदिग्ध हालत में एक ड्रोन को उड़ते हुए देखा जिसके बाद इस मानव रहित वाहन को पकड़ लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस की एक अधिकारी ने बताया कि ड्रोन रोधी प्रणाली के परीक्षण के दौरान राम मंदिर मार्ग के ऊपर मंडरा रहे एक संदिग्ध ड्रोन देखा गया और इस दौरान सुरक्षा बलों ने उसे पकड़ लिया। उनके मुताबिक, राम मंदिर के ऊपर और उसके आसपास ड्रोन उड़ाना सख्त मना है। उन्होंने कहा कि बम निरोधक दस्ते ने ड्रोन कैमरे की गहन जांच करने के बाद पुष्टि की कि सुरक्षा को कोई खतरा नहीं है और इस सिलसिले में राम जन्मभूमि थाने में मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने कहा, ऑपरेटर की पहचान कर ली गई है और जांच से पता चला है कि ड्रोन का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करने के लिए किया जा रहा था। आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। इस साल की शुरुआत में लखनऊ में एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया था कि उत्तर प्रदेश पुलिस ने पहली बार 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान हाई-टेक एंटी-ड्रोन सिस्टम का इस्तेमाल किया था।

अधिकारी ने कहा कि प्रयागराज में जारी महाकुंभ में इसी एंटी-ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है और देश में गुजरात जैसे कुछ ही राज्यों ने अब तक इसका इस्तेमाल किया है।

महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' बन गया है : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि हाल में हुई भगदड़ की घटनाओं के मद्देनजर महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महाकुंभ में मरने वालों की वास्तविक संख्या को छिपाया गया है। पिछले महीने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई और 60 घायल हो गए, वहीं हाल में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा को संबोधित करते हुए दावा किया, महाकुंभ 'मृत्यु कुंभ' बन गया है। उन्होंने (भाजपा सरकार ने) मौतों की संख्या कम दिखाने के लिए सैकड़ों शवों को छिपा दिया। मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों पर निशाना साधते हुए दावा किया, भाजपा विधायक मेरा सामना करने से डरते हैं, इसलिए जब भी मैं बोलती हूं तो वे सदन का बहिष्कार करते हैं। बनर्जी ने मुस्लिम लीग से उन्हें जोड़ने के आरोपों का जवाब देते हुए ऐसी टिप्पणियों की कड़ी निंदा की। बनर्जी ने कहा, मुझ पर मुस्लिम लीग का सदस्य होने का आरोप लगाया गया। मैं इन निराधार आरोपों की कड़ी निंदा करती हूं। धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं धर्मनिरपेक्षता, सह-अस्तित्व और सभी समुदायों के विकास में विश्वास करती हूं। बांग्लादेशी चरमपंथियों से अपने संबंधों के आरोपों को खारिज करते हुए बनर्जी ने भाजपा को सबूत पेश करने की चुनौती दी।

शिक्षा मंत्री प्रधान के बयान के खिलाफ एआईएसएफ ने प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वामपंथी छात्र संगठन एआईएसएफ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उस हालिया बयान के खिलाफ शास्त्री भवन के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें केंद्रीय शिक्षा कोष को तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन से जोड़ा गया है। इस विरोध प्रदर्शन के संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा है कि समग्र शिक्षा योजना के तहत तमिलनाडु को तब तक धन जारी नहीं किया जाएगा, जब तक राज्य एनईपी 2020 को पूरी तरह से लागू नहीं कर देता।

उन्होंने द्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार पर शिक्षा नीति का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ) ने एक बयान में कहा कि एनईपी 2020 क्षेत्रीय स्वायत्तता को कमजोर करती है, निजीकरण को बढ़ावा देती है, असमानता बढ़ाती है और शिक्षा में भाषाई और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए तमिलनाडु की प्रतिबद्धता की अवहेलना करती है। इसमें कहा है, ''केंद्र महत्वपूर्ण शिक्षा निधि रोककर राज्यों को एनईपी 2020 को लागू करने के लिए ब्लैकमेल कर रहा है।'' एआईएसएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विराज देवांग ने कहा, हमने शिक्षा मंत्रालय के बाहर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। एनईपी कार्यान्वयन पर मंत्री की टिप्पणी उन राज्यों को मजबूर करने का प्रयास है जिन्होंने इसे नहीं अपनाया है। भारत के कई राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है। हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद हमें हिरासत में लिया गया। एआईएसएफ के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश सीरंगराज ने प्रधान पर तमिलनाडु को धमकाने' का और एनईपी 2020 को राज्य में लागू करने पर ही केंद्रीय शिक्षा कोष में 2,000 करोड़ रुपये जारी करने की शर्त रखने का आरोप लगाया।

दो ट्रेन में बम होने की सूचना से सनसनी, ली जा रही सघन तलाशी

बलिया/भाषा। गोरखपुर और बलिया से प्रयागराज होकर मुंबई तक जाने वाली दो एक्सप्रेस ट्रेन में बम होने की सूचना के बाद अफरातफरी मच गई और दोनों ट्रेन को रुकवा कर उनकी सघन तलाशी ली जा रही है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के मीडिया प्रभारी श्याम बाबू ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि राजकीय रेलवे पुलिस प्रयागराज को सोशल मीडिया के माध्यम से मंगलवार सुबह साढ़े दस बजे सूचना प्राप्त हुई कि बलिया से मुंबई जाने वाली कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन और गोरखपुर से मुंबई जाने वाली दादर एक्सप्रेस ट्रेन में बम है।

उन्होंने बताया कि इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन को बलिया रेलवे स्टेशन और दादर एक्सप्रेस ट्रेन को औड़िहार रेलवे स्टेशन पर रोककर ट्रेन की सघन तलाशी ली जा रही है। इस कार्य में जिला प्रशासन के साथ ही राजकीय रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी जुटे हुए हैं।

पटना के भीड़भाड़ वाले इलाके में पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी, चार लोग हिरासत में लिए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। पटना शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में मंगलवार को एक इमारत के अंदर छिपे हमलावरों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की, हालांकि इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने बताया कि चार हमलावरों को पकड़ लिया गया है, जबकि फरार हुए कुछ अन्य व्यक्तियों की तलाश की जा रही है।

उन्होंने बताया, घटना शहर के राम लखन पथ इलाके में हुई। पुलिस दल धर्मेंद्र कुमार के घर गया था, जिन्होंने संपत्ति विवाद के सिलसिले में रामकृष्ण नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

एसएसपी ने संवाददाताओं से कहा, हालांकि हमारी ओर से एक भी गोली नहीं चलाई गई, लेकिन दूसरी ओर से कम से कम चार बार गोली चलाई गई। गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के कर्मियों समेत अतिरिक्त कर्मी को घटनास्थल भेजा गया।

कुमार ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान उनसे पूछताछ के बाद हो पाएगी। उन्होंने कहा, मामले की जांच के बाद और जानकारी साझा की जाएगी।

सिख दंगे : अभियोजन पक्ष ने हत्या के मामले में सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की अपील की

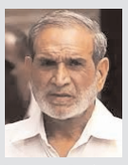

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में वर्ष 1984 के सिख विरोधी दंगों से संबंधित हत्या के एक मामले में अभियोजन पक्ष ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के लिए मृत्युदंड की अपील की और इसे 'दुर्लभतम' अपराध करार दिया। अभियोजन पक्ष द्वारा दायर एक लिखित हलफनामे में विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को इस दलील के बारे में जानकारी दी गई। हत्या के लिए न्यूनतम सजा आजीवन कारावास है। कुमार के वकील ने मामले पर बहस करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद न्यायाधीश ने यह कहते हुए मामले की सुनवाई 21 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी कि वकील, अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के विरोध में मंगलवार को काम नहीं करेंगे। शिकायतकर्ता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का ने अभियोजन पक्ष की मृत्युदंड की मांग का समर्थन किया और बहस के लिए समय मांगा। कुमार फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की एक नवंबर 1984 को हत्या कर दी गयी थी। हत्या के सिलसिले में पंजाबी बाग थाने ने मामला दर्ज किया था लेकिन बाद में एक विशेष जांच दल ने जांच की जिम्मेदारी ले ली थी।

पुणे की अदालत ने मानहानि मामले में राहुल को पेशी से स्थायी छूट दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पुणे की एक विशेष अदालत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर पर उनकी कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर दायर मानहानि मामले में मंगलवार को पेशी से स्थायी छूट दे दी। मानहानि मामले में गांधी की तरफ से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मिलिंद पवार ने अदालत के समक्ष पिछले माह एक अर्जी दायर की थी जिसमें कांग्रेस नेता को पेशी से स्थायी छूट देने का अनुरोध किया गया था यह मामला सावरकर के एक रिश्तेदार द्वारा दायर किया गया था और इस मामले में राहुल गांधी को पहले ही जमानत दी जा चुकी है।

सांसद/विधायक अदालत के न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अमोल शिंदे ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उन्हें कई बैठकों में भाग लेना है। राहुल गांधी को 'जेड-प्लस' श्रेणी की सुरक्षा मिले होने को ध्यान में रखते हुए अदालत ने आदेश में कहा कि सुरक्षा पर होने वाले खर्च तथा सुनवाई में शामिल होने पर कानून-व्यवस्था के मसले को ध्यान में रखते हुए उन्हें मामले में पेश होने से स्थायी छूट प्रदान की जाती है।

पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को जमानत मिली, 17 महीने बाद जेल से रिहा होने की संभावना

रामपुर/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता और रामपुर की स्वार सीट से पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खान को रामपुर की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने 2020 में दर्ज शत्रु संपत्ति से संबंधित एक मामले में जमानत दे दी है। अदालत के इस फैसले ने वरिष्ठ सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला के लिए हरदोई जेल से बाहर आने का रास्ता साफ कर दिया है। वह अक्टूबर 2023 से जेल में बंद हैं। अब्दुल्ला के वकील जुबैर अहमद खान ने बताया कि विशेष सांसद/विधायक अदालत के न्यायाधीश शोभित बंसल ने 2020 में दर्ज शत्रु संपत्ति से संबंधित मामले में उनके मुवक्किल की जमानत मंजूर कर ली है। वकील जुबैर अहमद खान ने बताया, पिछली 10 फरवरी को उच्चतम न्यायालय द्वारा अब्दुल्ला आजम खान को जमानत दिए जाने के बाद यह उनके खिलाफ लंबित एकमात्र मामला था।

मायावती के दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार, 'लालच' के बावजूद बसपा की राजनीतिक ताकत 'बरकरार' रही : उदित राज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। पूर्व सांसद उदित राज ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उनके ''दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार और लालच'' के बावजूद उनकी राजनीतिक ताकत लंबे समय तक बरकरार रही।

उन्होंने कहा कि मायावती ने सामाजिक आंदोलन का गला घोंट दिया है और अब मायावती का गला घोंटने का समय आ गया है। लखनऊ में पत्रकारों से उदित राज ने कहा, महाभारत के युद्ध के दौरान जब अर्जुन ने भगवान कृष्ण से पूछा कि वह अपने ही रिश्तेदारों को कैसे मारेंगे, तो भगवान कृष्ण ने कहा कि कोई रिश्तेदार नहीं होते और उन्हें (अर्जुन को) न्याय के लिए लड़ना है। आज मेरे कृष्ण ने मुझसे कहा है कि पहले अपने दुश्मन को मारो। सामाजिक न्याय की दुश्मन सुश्री मायावती ने सामाजिक आंदोलन का गला घोंट दिया। और अब उनका गला घोंटने का समय आ गया है। पूर्व सांसद उदित राज ने कहा, 1980 के दशक के बाद कांशीराम जी ने उत्तर प्रदेश में बहुजन जागरण की शुरुआत की, जो 2000 के दशक में अपने चरम पर पहुंच गया। भले ही आंदोलन की परिणति राजनीति में हुई, लेकिन इसकी सोच और आधार सामाजिक न्याय रहा है। अन्य राजनीतिक दल राजनीति से शुरू हो कर राजनीति पर ही खत्म होते हैं, लेकिन बहुजन समाज पार्टी के साथ ऐसा नहीं था। उन्होंने कहा, मायावती की क्रूरता और अक्षमता के बावजूद कार्यकर्ता और मतदाता लड़ते रहे। कार्यकर्ताओं के घर बिके, उनके बच्चों को शिक्षा नहीं मिली और उनके साथ क्रूरता की गई, फिर भी वे बहुजन राज लाने के लिए संघर्ष करते रहे। फुले, शाहू, आंबेडकर (महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले, राजर्षि शाहू महाराज, बी. आर. आंबेडकर) को मानने वाले लाखों कार्यकर्ता निराशा के दौर से गुजर रहे हैं। कुछ लोगों ने अपने स्तर पर छोटे-छोटे संगठन बनाए हैं, लेकिन उनकी (फुले, शाहू, आंबेडकर की) सोच मरी नहीं है। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के पूर्व लोकसभा सदस्य ने यह भी कहा, जिस तरह दलितों की हालत खराब थी, उसी तरह आज मुस्लिम समुदाय भी उसी दौर से गुजर रहा है।

सुविचार

किसी इंसान के आज को देखकर उसके भविष्य का मजाक मत उड़ाओ, क्योंकि समय में इतनी शक्ति है कि वो कोयले को धीरे-धीरे हिरे में बदल देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

क्यों बढ़ रही अभद्र सामग्री?

उच्चतम न्यायालय ने अशोभनीय टिप्पणी मामले में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर इलाहाबादिया के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों के संबंध में जो टिप्पणियां कीं, उनसे अन्य लोगों को सबक लेना चाहिए। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने का यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि उस व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से अभद्र और अश्लील टिप्पणियां करने का लाइसेंस मिल गया है। इलाहाबादिया की टिप्पणियों ने लोगों को खासा नाराज कर दिया है। उच्चतम न्यायालय ने भी यह कहकर अप्रसन्नता व्यक्त की है कि 'उनके दिमाग में कुछ गंदगी है, जो उन्होंने यूट्यूब के कार्यक्रम में उगली।' आज सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश में सोशल मीडिया पर माहौल बहुत ज्यादा खराब हो गया है। पांच साल पहले भी ऐसी सामग्री पोस्ट की जाती थी, लेकिन बहुत कम। अब तो अश्लीलता की बौछार-सी हो गई है। जिसे देखो, वही चर्चित होने के लिए इस नुस्खे को आजमा रहा है। स्कूल-कॉलेज के कई विद्यार्थी, जिन्हें अपना ध्यान अध्ययन एवं चरित्र निर्माण पर देना चाहिए, वे ऐसे वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं, जिनमें आपत्तिजनक शब्द होते हैं। उन्हें अपने माता-पिता और शिक्षकों का कोई डर नहीं होता। जिस बच्चे के वीडियो पर ठीक-ठाक व्यूज और लाइक आ जाते हैं, वह अपने दोस्तों के बीच 'सेलिब्रिटी' का दर्जा पा जाता है। जब ऐसी आपत्तिजनक सामग्री की शिकायत की जाती है तो संबंधित प्लेटफॉर्म उसे 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर हटाने से इन्कार कर देता है। साथ ही दिशा-निर्देशों की ऐसी लंबी सूची पकड़ा देता है, जो ज्यादातर लोगों की समझ से परे होती है।

सवाल है- जब लोग आपत्तिजनक और अभद्र सामग्री के इतने खिलाफ हैं तो इनकी तादाद क्यों बढ़ती जा रही है? जवाब है- लोगों द्वारा ही इन्हें पसंद किया जाना। आपने गौर किया होगा कि कॉमेडी शो के नाम पर होने वाले भद्दे प्रदर्शनों, जिनका बाद में विरोध हुआ, प्रस्तुति के दौरान उन पर लोगों ने खूब ठहाके लगाए थे। सोशल मीडिया पर बने ऐसे पेज, जो अश्लील चित्र या चुटकुले पोस्ट करते हैं, वे तेजी से आगे बढ़ते हैं। जब लोग ऐसी सामग्री पर ठहाके लगाते हैं, लाइक और शेयर करते हैं तो 'निर्माताओं' का हौसला बढ़ता है। वे विश्लेषण करते हैं कि ऐसी सामग्री पेश करेंगे तो वह लोगों के बीच ज्यादा मशहूर होगी। वे अगली बार अभद्रता का तड़का ज्यादा लगाते हैं। अगर लोग पहले ही यह ठान लें कि न तो खुद ऐसी सामग्री पोस्ट करेंगे और न किसी को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे तो यह सिलसिला आगे नहीं बढ़ेगा। नब्बे के दशक तक गांवों में रामलीला का आयोजन खूब होता था। उसमें एक हास्य कलाकार भी होता था। उसे लोगों के बीच बहुत पसंद किया जाता था। उसकी विचित्र वेशभूषा और रोचक संवादों पर खूब तालियां बजती थीं। लोगों को हंसाने के लिए अश्लील टिप्पणी करना जरूरी नहीं है। जिन्होंने जसपाल भट्टी का 'फ्लॉप शो' देखा है, वे समझ सकते हैं कि आज हास्य-व्यंग्य के कार्यक्रमों का स्तर बहुत गिर गया है। एक कथित हास्य कलाकार ने अपने शो में रूसी महिलाओं के बारे में ऐसी भ्रामक व आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिस पर लोगों ने खूब तालियां बजाईं। उसका नतीजा यह निकला कि कई किशोर और युवा उनके कथन को सच मान बैठे हैं। पिछले दिनों एक लड़के का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह किसी रूसी महिला के सामने घोर आपत्तिजनक टिप्पणी करता पाया गया। एक और यूट्यूबर, जो अभिनेता बनने मुंबई गए थे, लेकिन वहां कामयाबी नहीं मिली, इसलिए अपने गांव लौटकर वीडियो बनाने लगे। उन्हें हास्य के साथ अश्लीलता को जोड़ने में महारत हासिल है। उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। हर वीडियो पर लाखों ही व्यूज और लाइक आते हैं। उनके कई प्रशंसक तो यह कहते हैं कि हमें अधिकार होता तो आपको 'ऑस्कर' दिलवा देते! जब दर्शक ही ऐसी सामग्री का समर्थन करेंगे तो सुधार की उम्मीद किससे रखें? क्या हर मामले की जिम्मेदारी सरकार पर डाल देना काफी है? अगर कॉमेडी के नाम पर हो रहे भौंडे प्रदर्शन को रोकना चाहते हैं तो इस पर ठहाके लगाना बंद करें, ऐसे लोगों को 'व्यूज, लाइक, शेयर' बिल्कुल न दें और 'उचित तरीके से' आपत्ति दर्ज कराएं।

ट्वीटर टॉक

गुजरात नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की जीत मोदी जी के नेतृत्व में शुरू हुए विकास कार्यों की अविराम निरंतरता का परिणाम है। यह बयार बनी रहेगी! भाजपा गुजरात के सभी देवतुल्य मतदाताओं और कार्यकर्ताओं साथियों का अभिनंदन।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ जी की याददाश्त कमजोर हैं.. या फिर वो किसी भूल में भ्रमित हैं ! फोन टैपिंग का गंभीर आरोप विपक्ष ने नहीं, भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वयं किरोड़ी लाल मीणा जी ने लगाया है। भाजपा सरकार पर बजरी और अवैध खनन के भ्रष्टाचार को ढकने एवं अपने ही मंत्री की जासूसी व फोन टैपिंग का संगीन आरोप है।।

-गोविंद सिंह डोटासरा

देवकीनंदन प्रभु श्री कृष्ण के परम भक्त और भक्तिकाल के प्रमुख कवि संत श्री चैतन्य महाप्रभु जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन। उनके प्रखर और पुण्य विचार सदैव हमें राष्ट्र सेवा व समाज के कल्याण के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

सच्ची सफलता

एक बार एक व्यक्ति किसी संत के पास गया और पूछा, सफलता का रहस्य क्या है? संत मुस्कुराए और उसे नदी के किनारे ले गए। उन्होंने उसे पानी में उतरने को कहा। जब वह घुटनों तक पानी में पहुँचा, तो संत ने उसे और आगे बढ़ने के लिए कहा। धीरे-धीरे पानी उसकी गर्दन तक आ गया। तभी संत ने अचानक उसका सिर पकड़कर पानी में डुबो दिया।वह व्यक्ति छटपटाने लगा, साँस लेने के लिए संघर्ष करने लगा। कुछ क्षण बाद, संत ने उसे छोड़ा। वह घबराया हुआ पानी से बाहर निकला और जोर-जोर से साँस लेने लगा।संत ने पूछा, जब तुम पानी में थे, तब तुम्हें सबसे ज्यादा क्या चाहिए था?व्यक्ति ने तुरंत कहा, साँस! संत मुस्कुराए और बोले, जब सफलता की चाहत तुम्हारी साँस लेने की जरूरत जितनी प्रबल होगी, तब तुम इसे अवश्य प्राप्त करोगे! **संदेश:** सच्ची सफलता केवल तब मिलती है जब हम उसके लिए पूरी तरह समर्पित होते हैं और पूरी ताकत से प्रयास करते हैं।

सामयिक

राहुल के अपरिपक्व निर्णय कांग्रेस को पड़ रहे भारी

अशोक भाटिया

मो. 9221232130

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 99 सीटों पर जीत हासिल कर कांग्रेस भले ही लोकसभा में सबसे बड़ा विपक्षी राजनीतिक दल बन गया हो लेकिन यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस के 99 सीटों में अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य कई क्षेत्रीय दलों की भी अहम भूमिका रही है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के तमाम सहयोगी राजनीतिक दलों के साथ विचार विमर्श कर चुनाव से कम से कम 6-7 महीने पहले ही रणनीति तैयार कर लेते। राहुल गांधी के लिए यह तय करना भी जरूरी है कि किस राज्य में कौन सा राजनीतिक दल कांग्रेस का विरोधी है और किस राज्य में कौन सा राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ है। दिल्ली में आखिरी समय तक राहुल गांधी यह तय ही नहीं कर पा रहे थे कि केजरीवाल साथी है या विरोधी है ? पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया था और एक बार फिर से उन्होंने राज्य में अकेले ही 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करके कांग्रेस पर हावी होने की कोशिश की है। लेकिन दूसरी तरफ राहुल गांधी को देखिए, कि वह तय ही नहीं कर पा रहे हैं कि ममता बनर्जी से लड़ना है या दोस्ताना संबंध रखने हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिस कुर्सी पर इस बार राहुल गांधी बैठे हैं, उसी कुर्सी पर पिछली लोकसभा में कांग्रेस के लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी बैठा करते थे। चौधरी पश्चिम बंगाल में लगातार कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की बात किया करते थे और सिर्फ इस वजह से ममता बनर्जी उनसे इतनी ज्यादा नाराज हो गई कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया की अधीर रंजन चौधरी 2024 का चुनाव जीतकर फिर से लोकसभा सांसद ना बन पाए। चौधरी 2024 में लोकसभा चुनाव हार गए और राहुल गाँधी व कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया हैं। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला हो या फिर बिहार में लालू यादव, कांग्रेस की लगभग सभी सहयोगी पार्टियां राहुल गांधी के कन्फ्यूजन का फायदा उठाने का प्रयास करती रहती है। इसलिए यह सवाल बार-बार उठाया जाने लगा है कि क्या राहुल गांधी का यह कन्फ्यूजन कांग्रेस पार्टी को राजनीतिक रूप से डूबा कर ही मानेगा ?

गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीरो की हैट्रिक लगाई है। पिछले साल, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने केंद्र में सरकार बनाई और नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद जीता। लेकिन छह दशकों तक केंद्र में सत्ता का आनंद लेने वाली कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार एक भी सांसद या किसी भी विधायक का चुनाव नहीं कर सकी। पिछले तीन चुनावों में, दिल्ली के मतदाताओं ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। यह पार्टी का राष्ट्रीय मुख्यालय है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस के निवास स्थान हैं। कांग्रेस ने देश को सबसे अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी जैसे एक ही परिवार के नेताओं ने देश के सर्वोच्च पदों पर कब्जा किया है।राहुल गांधी कांग्रेस के सर्वोच्च नेता, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस पार्टी में कोई निर्वाचित स्थानीय नेता नहीं है।आश्चर्य तो यहां तक कि कांग्रेस पार्टी के दिग्गज माने जाने वाले कांग्रेस नेता भी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जमानत नहीं बचा सके। कहीं भी ऐसा नहीं दिख रहा है कि कांग्रेस ने भाजपा या आम आदमी पार्टी को कड़ी टक्कर दी है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपने प्रचार का फार्मूला तय नहीं कर पाई थी। पार्टी की विचारधारा और अभियान के मुद्दों को प्रभावी ढंग से व्यक्त नहीं किया जा सका। कांग्रेस को समझ नहीं आ रहा था कि भाजपा से किसका मुकाबला करे। पार्टी की रणनीति कार्यकर्ताओं तक कभी नहीं पहुंची।

राहुल गांधी कहते रहे कि कांग्रेस पार्टी दलितों और अल्पसंख्यक मतदाताओं की आवाज है, लेकिन यह विश्वास नहीं दिला सके कि कांग्रेस सत्ता में आएगी। परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कांग्रेस ने दिल्ली में दलित और अल्पसंख्यक वोट बैंक खो दिया था। मध्यम वर्ग और केंद्रीय कर्मचारी दिल्ली में बड़े वोट बैंक हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का स्टार प्रचारक कौन है, इसे लेकर अंत तक काफी असमंजस की स्थिति बनी रही। राहुल की दो रैलियां और प्रियंका की एक। अगर गांधी परिवार की दिलचस्पी नहीं है, तो बाकी नेता खुद को प्रचार में क्यों लगाएंगे? राहुल खुद अचानक 15 दिन के लिए विदेश दौरे पर चले गए। कांग्रेस अपने दम पर दिल्ली चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं थी। केजरीवाल द्वारा आम आदमी पार्टी के अपने दम पर चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद भी, कांग्रेस ने गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन आप ने कांग्रेस को गंभीरता से नहीं लिया। 70 में से 10-12 निर्वाचन क्षेत्रों में, कांग्रेस के पास एक उम्मीदवार का भी अभाव था। कई निर्वाचन क्षेत्रों में, कांग्रेस ने बाहरी उम्मीदवारों को उतारा। मतदाताओं को अलका लांबा, राजेश लिलोठिया, हालांकि रागिनी नायक पार्टी में एक बड़ा नाम हैं, लेकिन उन्हें उम्मीदवार के रूप में उतारा गया था, जिसमें उन्हें ही नुकसान उठाना पड़ा था। अहंकार और अति बुद्धिमत्ता ने दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की हत्या कर दी है। एक तरफ पिछले एक साल से भाजपा की चुनावी माइक्रोमैनेजमेंट की तैयारी चल रही थी और कांग्रेस और आप के बीच इस बात की होड़ लगी हुई थी कि कौन किसको सबक सिखाएगा। ये दोनों पार्टियां भाजपा की आंधी के सामने हार गईं। लोकसभा में कांग्रेस के 100 सांसद हैं, लेकिन दिल्ली में पार्टी का प्रदर्शन शून्य है। लेकिन कांग्रेस आम आदमी पार्टी के 14 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने में सफल रही। 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनावों में इसे 30 प्रतिशत वोट मिले। 2020 में, वोट बढ़कर 54 प्रतिशत हो गए। 2013 में, कांग्रेस को 25 प्रतिशत वोट मिले और 2020 में यह गिरकर 4 प्रतिशत हो गया। भाजपा ने अपना 35 प्रतिशत वोट शेयर बरकरार रखा। कांग्रेस और --झ ने गठबंधन में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा सांसदों को चुना। कई विश्लेषकों का मानना है कि अगर कांग्रेस और आप चुनाव एक साथ लड़ते, तो आप का नुकसान कम होता। अगर कांग्रेस-आप गठबंधन बन गया होता, तो भाजपा को 14 सीटों का नुकसान होता। संगम विहार, त्रिलोकपुरी, जंगपुरा, तिमारपुर, राजेंद्र नगर, मालवीय नगर, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, छतरपुर, महरौली, मादीपुर, बादली, कस्तूरबा नगर और नांगलोई जाट ने तस्वीर बदल दी होती।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि भारतीय गठबंधन के गठन के बाद सीटों के बंटवारे का समझौता केवल लोकसभा के लिए था। यह निर्णय लिया गया कि विधानसभा चुनाव के लिए हर पार्टी को निर्णय लेना चाहिए। दिल्ली विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने --झ से 10 सीटों की मांग की थी, लेकिन केजरीवाल ने पारस्परिक रूप से घोषणा की कि वह दिसंबर 2024 में अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने हमेशा दिल्ली में केजरीवाल सरकार का विरोध किया। कांग्रेस नेता अजय माकन ने केजरीवाल को देशद्रोही और देशद्रोही कहा और फरजीवाल के रूप में जाना जाता है। आप सरकार के शराब घोटाले के विरोध में कांग्रेस ने अपनी रैली में विरोध के नारों के साथ शराब के गुब्बारे उड़ाए। जब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों में केजरीवाल को समर्थन देने की घोषणा की तब जाकर यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस अलग-थलग पड़ गई है। राहुल गांधी ने प्रचार में कहा कि मोदी और केजरीवाल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस प्रवक्ता शिव खेड़ा ने कहा, --झ एक पीने वाली पार्टी है। अजय माकन ने कहा,हमारा पहला लक्ष्य आम आदमी पार्टी है। कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान आप सरकार पर लगातार तीखे हमले किए हैं। आप और कांग्रेस के बीच भीषण लड़ाई ने भाजपा की जीत सुनिश्चित और मजबूत की। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवन्ना रेड्डी ने कहा, 'आप ने हरियाणा में चुनाव लड़कर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया, कांग्रेस ने दिल्ली में किया.... इंडिया अलायंस में हरियाणा में जो हुआ वो अब दिल्ली में हुआ। देश में कई राज्य ऐसे हैं जहां कांग्रेस पार्टी खाली है। चार राज्यों में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। आंध्र प्रदेश में विधानसभा में 175 सीटें हैं। आंध्र प्रदेश में 2024 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इस चुनाव में, कांग्रेस ने दिखाया कि उसने एक मजबूत चुनाव जीता है। वास्तव में, वह एक भी सीट नहीं जीत सकी। पार्टी के अधिकांश उम्मीदवारों को तीसरे स्थान पर धकेल दिया गया। उनकी कई जमा राशि जब्त कर ली गई। आंध्र प्रदेश में एनडीए के 164 विधायक हैं। विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस के पास 11 विधायक हैं, जो 2014 तक राज्य में सत्ता में थी।पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी कांग्रेस शून्य है। चुनाव 2021 में हुए थे। कांग्रेस को राज्य में पहली बार कद्दू मिला। तृणमूल कांग्रेस के 224 विधायक हैं और विपक्षी भाजपा के पास 66 विधायक हैं। 2023 में, कांग्रेस विधायक मुर्शिबाद में सागर दिघी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे, लेकिन बाद में तृणमूल कांग्रेस में चले गए। बाद के उपचुनावों में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा। सिक्किम विधानसभा में 32 सीटें हैं। सिक्किम कभी कांग्रेस का गढ़ था। अब उस विधानसभा में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। सिक्किम की सभी सीटें सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के पास हैं और पार्टी एनडीए के साथ है। नागालैंड विधानसभा में 60 सीटें हैं। फरवरी 2023 में चुनाव हुए थे। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। नागालैंड एनडीपीपी के पास 25 सीटें हैं और भाजपा के पास 12 सीटें हैं। अरुणाचल विधानसभा में 60 सीटें हैं, मेघालय और मिजोरम में कांग्रेस के केवल एक-एक विधायक हैं। मणिपुर और पुडुचेरी, जहां अतीत में कांग्रेस का प्रभाव था, में केवल दो विधायक हैं। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी का यही हाल रहा तो बिहार विधान सभा में भी पार्टी की बुरी हालात को कोई नहीं रोक सकता।

विशेष

आयकर कानून के सरल होने से विवाद घटेंगे

ललित गर्ग

मो. 9811051133

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में गुरुवार को 64 साल पुराने आयकर कानून-1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के उद्देश्य से नया इनकम टैक्स बिल-2025 पेश कर दिया। 622 पन्नों के इस विधेयक में 536 धाराएं शामिल हैं। जबकि आयकर कानून-1961 में 1647 पन्ने और 819 धाराएं रही है। इस विधेयक में कई पुराने और जटिल प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए इसे आसान और पारदर्शी बनाया गया है। नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रिया को स्पष्ट, सहज, सरल और कानूनी उलझनों से मुक्त बनाना है जिससे लंबे समय तक चलने वाले विवादों की संख्या कम हो। इसे लागू करने की संभावित तारीख 1 अप्रैल 2026 तय की गई है। निश्चित ही नये आयकर कानून से टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत होगी, यह आयकर कानून का नया सूरज है, जो जटिलताओं एवं पेचिदगियों की जगह सरलता एवं सहजता की रोशनी बनेगा।

मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5.12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2.6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग-अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। यह बिल आयकर प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ से ही कम-से-कम कानूनों एवं सरल-व्यवस्था के हिमायती रहे हैं।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में आर्थिक क्रांति का शंखनाद अनेक मोर्चे पर हो रहा है। न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बदली है बल्कि हमारे आसपास की पूरी दुनिया बदल चुकी है। 1961 में बने आयकर कानून में बदलती जरूरत के मुताबिक नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या अनेक उलझने एवं विवाद खड़ा करती रही है। इन जटिल होती परिस्थितियों का परिणाम यह हुआ कि अपने देश में टैक्स को लेकर विवाद लगातार बढते गये। इन लगातार बढ़ते विवादों के कारण ही इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87 प्रतिशत हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है। संभावनाएं हैं एवं सराहनीय भी है कि नये कानून के लागू होने से विवाद भी कम होंगे एवं जनता भी राहत की सांस लेगी। निश्चित ही यह कदम स्वागतयोग्य है। इस कानून को लाकर मोदी सरकार और विशेषतः वित्तमंत्री ने अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन किया है। आयकर कानून-1961 की जटिलताओं के कारण विवादों का अंबार लगा रहा है। जबकि आयकर विभाग को इन विवादों से कोई फायदा भी नहीं होता है क्योंकि इनमें जीत का उसका रेकॉर्ड बड़ा खराब रहा है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। ओईसीडी देशों का औसत इस मामले में 65 प्रतिशत है। अवश्य ही यह स्थिति भारत के लिये चिन्ताजनक रही है। अब इस स्थिति में सुधार होने की संभावना है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नए आयकर कानून से कर संहिता अधिक सरल हो जाएगी और वह आयकर अधिकारियों के साथ आयकरदाताओं को भी राहत प्रदान करेगी। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि आयकरदाताओं को जटिल नियमों के साथ आसानी से समझ न आने वाली भाषा से छुटकारा मिले।

देश में ऐसी सरल कर प्रक्रिया की अपेक्षा रही है कि कोई भी आदमी कर चुकाने के मामले में जमीनी और कागजी, दोनों ही स्तरों पर आत्मनिर्भर हो। नया कानून इस बड़ी अपेक्षा की पूर्ति करते हुए बड़ी परेशानियों से मुक्ति की राह प्रशस्त कर रहा है। ऐसे में चाहे असेसमेंट ईयर के बदले टैक्स ईयर जैसी शब्दावली तय करने की बात हो या सैलरी डिडक्शन से जुड़े तमाम प्रावधानों को एक सेक्शन में रखने की या खेती से जुड़ी आमदनी संबंधी प्रावधानों पर स्पष्टता लाने की, प्रस्तावित बिल सही ढंग से अमल में आए तो यह देश की टैक्स व्यवस्था को मजबूती देने के साथ नया भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को भी बदल देगा। चूंकि आयकर विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने का निर्णय लिया गया है, इसलिए यह आशा की जाती है कि वहां उस पर व्यापक एवं स्वस्थ विचार-विमर्श के दौरान उसे वास्तव में सरल रूप देने में मदद मिलेगी। इस अपेक्षा के साथ ही यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता है, जिससे लोग स्वेच्छा से आयकर देने को प्रेरित हों और उनके मन में किसी तरह का भय न रहे। यह भी समय की मांग है कि सरकार आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने के उपाय करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में डेढ सौ करोड की आबादी वाले देश में आयकर देने वालों की संख्या चार करोड़ से भी कम है। इनमें मुख्यतः वे ही हैं, जो नौकरीपेशा हैं। आयकर विभाग को इतना चुस्त एवं दुरस्त करने की जरूरत है कि जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते हैं, ऐसे लोगों का पता लगाये। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं, उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि कृषि आय को टैक्स के दायरे से बाहर रखने के नियम का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है? समर्थ लोगों को स्वैच्छा से आयकर देने के लिये तत्पर होना चाहिए।

देश में आयकर का विषय विवादों से घिरा रहा है। अभी भी कुछ अर्थशास्त्री आयकर को दोहरा एवं गैर-जरूरी कराधान मानते हैं। लम्बे समय से ऐसे स्वर भी उभरते रहे हैं कि एक आम आदमी लगभग हर वस्तु और सेवा के लिये कर चुकाता है तो फिर उससे आयकर वसूलने की जरूरत क्यों है? भविष्य में इस पर भी सकारात्मक चिन्तन की अपेक्षा है। एक और बड़ी विसंगति का सामना आयकरदाता करता रहा है कि उसे आयकर विभाग हर मोर्चे पर सन्देह एवं शंका की नजर से देखता है। इसलिये जितना आवश्यक आयकर संबंधी नियम-कानून सरल करना है, उतना ही इस बात की अपेक्षा है कि आयकर विभाग लोगों से अनावश्यक रूप से न तो सवाल-जवाब करे और न ही किसी भूल-चूक पर उन्हें तंग करे। यह तब संभव होगा, जब आयकर अधिकारी आयकरदाताओं को संदेह की दृष्टि से देखना बंद करेंगे। उन्हें यह भी समझना होगा कि आयकर बचाने के उपाय अपनाने का मतलब कर चोरी करना नहीं होता। आयकर विभाग को उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते लोग आय छिपाने के जतन करते हैं। इसी के साथ ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी, जिससे आयकर का आकलन करने और उसकी वसूली में भ्रष्टाचार न होने पाए। आयकर विभाग को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। निश्चित ही नया आयकर कानून भारत की कर प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे करदाताओं को अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आसानी होगी, कर प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा और कानूनी उलझनों से बचा जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अमेरिका से निर्वासित व्यक्ति के टूटे सपने, अंधकार में भविष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर/भाषा। जुलाई 2024 में, अमृतसर में रोहित ने 'एक ट्रैवल एजेंट' के कानूनी रूप से अमेरिका में प्रवेश दिलाने का वादा करने के बाद बेहतर भविष्य की तलाश में सफर शुरू किया, लेकिन यह प्रयास उस समय विफल हो गया जब उन्हें कुछ अन्य अवैध भारतीय प्रवासियों के साथ निर्वासित कर दिया गया। रविवार रात अमेरिकी सैन्य विमान से वापस भेजे गए निर्वासित व्यक्तियों में रोहित भी शामिल हैं।

पंजाब-हिमाचल प्रदेश सीमा पर कांगड़ा जिले के मिलवान गांव के निवासी रोहित ने अपने परिवार की किस्मत बदलने की उम्मीद में जुलाई 2024 में अमेरिका की यात्रा शुरू की थी, लेकिन महीनों की कठिनाई के बाद उन्हें वापस निर्वासित कर दिया गया है। भारत के 112 अवैध प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान रविवार देर रात अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचा। अवैध प्रवासियों के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के तहत निर्वासित लोगों को भारत लाने वाला यह तीसरा विमान था। सूत्रों ने बताया कि 112 निर्वासित लोगों में से 44 हरियाणा से, 33 गुजरात से, 31 पंजाब से, दो उत्तर प्रदेश से और एक-एक उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश से हैं।

रोहित ने कहा कि वह अमृतसर के एक ट्रैवल एजेंट के संपर्क में थे, जिसने उन्हें वैध अमेरिकी वीजा का आश्वासन दिया था। एजेंट ने शुरू में उन्हें दुबई भेजने का वादा किया और कहा कि वहां से अमेरिका के लिए उनके वीजा की व्यवस्था की जाएगी। मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' से फोन पर बात करते हुए रोहित ने कहा कि जब वह दुबई पहुंचे तो उन्होंने खुद को कई अन्य युवाओं के बीच पाया, जो फंसे हुए थे और अनिश्चित काल से अपने वीजा का इंतजार कर रहे थे। घर पर अकेली अपनी मां को परेशान न करने के लिए उन्होंने उन्हें घटना के बारे में नहीं बताने का फैसला किया। रोहित की मां आशा देवी ने फोन पर बताया कि रोहित के पिता का कुछ साल पहले निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि रोहित मिलवान में चाय की दुकान पर अपने पिता की मदद करता था।

परिवार के एक अन्य सदस्य ने फोन पर बात करते हुए कहा कि परिवार को विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण रोहित 12वीं कक्षा के बाद ज्यादा पढ़ाई नहीं कर सका। रोहित ने कहा कि ट्रैवल एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका भेजने का वादा किया था। दुबई में कई सप्ताह बिताने के बाद, आखिरकार, ट्रैवल एजेंट ने ग्रीस के लिए वीजा हासिल कर लिया और वहां से उन्हें स्पेन के मैड्रिड भेज दिया गया। रोहित का कहना है कि मैड्रिड में लगभग 10 से 12 दिन तक रहने के बाद, उन्हें मध्य अमेरिका के एक देश एल सेल्वाडोर ले जाया गया, जहां से अमेरिका के लिए उनका 'डंकी रूट' (प्रवासियों को अमेरिका ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अवैध और जोखिम भरा रास्ता) शुरू हुआ। एल सेल्वाडोर से मेक्सिको तक की यात्रा में लगभग एक महीना लगा, जो बहुत परेशानियों से भरा था। इस खतरनाक सफर के दौरान रोहित को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इन रास्तों पर मानव तस्कर ('डंकर्स') अक्सर यात्रियों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार करते हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी, मुझे कई दिन तक जमीन पर सोने, घने जंगलों से होकर गुजरने और भूख से तड़पने के लिए मजबूर होना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अगर 'डंकर्स' भोजन उपलब्ध कराते, तो यह राहत होती; अन्यथा, लोगों के पास कोई विकल्प नहीं था। अमेरिका पहुंचने के इस प्रयास में लगभग 40-50 लाख रुपये खर्च करने के बाद, रोहित की यात्रा अचानक रुक गई जब तीन फरवरी को कुछ अन्य लोगों के साथ मैक्सिको में तिजुआना के रास्ते अवैध रूप से देश में प्रवेश करने के लिए अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उन्हें पकड़ लिया।

रोहित ने कहा कि पास में एक गश्ती दल था और हमें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि समूह में कुछ और लोग भी थे, जिन्हें सीमा पार करने के बाद पकड़ लिया गया। रोहित ने कहा, हमें सैन डिएगो के एक हिरासत केंद्र में ले जाया गया। हमारे बायोमेट्रिक (अंगुलियों के निशान आदि) एकत्र किए गए और मेडिकल जांच की गई। हमारी हिरासत से संबंधित अन्य सभी प्रक्रियाएं पूरी की गईं और हमें बताया गया कि हम अवैध रूप से आए हैं। बाद में, हमें एक कोठरी में रखा गया, जिसमें लगभग 50-60 लोग रह सकते थे। उन्होंने कहा, ज्यादातर मांसाहारी खाना परोसा गया। लेकिन मैंने ज्यादातर समय कुछ फल और पानी लेना पसंद किया क्योंकि मैं मांसाहारी नहीं हूं।

रोहित ने कहा कि जब तक उन्हें निर्वासित नहीं किया गया तब तक वे हिरासत केंद्र में ही कैद रहे। रोहित ने कहा, उन्होंने हमें अंदर रखा, हमें यह देखने का मौका नहीं मिला कि बाहर क्या हो रहा है। 14 फरवरी को एक सूची लाई गई और उन्होंने नाम पढ़ना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद, वे हमें दो बसों में कैलिफोर्निया के हवाई अड्डे पर ले गए, जो लगभग एक घंटे की दूरी पर था। तब हमें पता चला कि हमें एक विमान में बिठाया जा रहा है। रोहित ने कहा कि यात्रा के दौरान लोगों को हथकड़ी पहनाई गई थी। रोहित के लौटने पर उनके परिवार ने ट्रैवल एजेंट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका फोन बंद ही रहा। अब आर्थिक रूप से बर्बाद हो चुके रोहित ने एजेंट के खिलाफ कार्रवाई और भुगतान की गई राशि वापस करने का अनुरोध किया है।

झांसी में सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' की शुटिंग शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने झांसी में बॉर्डर 2 की शुटिंग शुरू कर दी है। यह जेपी दत्ता की 1997 में आई बॉर्डर फिल्म का सीक्वल है। फिल्म के सेट पर देओल के साथ उनके सह-अभिनेता वरूण धवन भी थे। युद्ध पर आधारित 'बॉर्डर' फिल्म में भी देओल अहम भूमिका में थे। निर्माता बैनर टी-सीरीज ने मंगलवार को अपने आधिकारिक 'एक्स' पेज पर यह जानकारी दी। पोस्ट में कहा गया है कि सनी देओल ने बॉर्डर 2' के सेट पर वरूण धवन के साथ झांसी छावनी में फिल्म की शूटिंग शुरू की। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित 'बॉर्डर 2' में कलाकार दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी है। निर्माताओं के अनुसार, इस फिल्म में बेहतरीन एक्शन, ड्रामा और भावनात्मक गहराई है। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साल 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के एक महत्वपूर्ण अध्याय को दर्शाने वाली बॉर्डर फिल्म जून 1997 में रिलीज होने पर बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी, पूजा भट्ट और शरबानी मुखर्जी ने भी अभिनय किया था।

अभिनेत्री अमृता सिंह ने मुंबई में 18 करोड़ रुपये में अपार्टमेंट खरीदा

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता सिंह ने मुंबई के जुहू में 18 करोड़ रुपये में एक आवासीय अपार्टमेंट खरीदा है। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी स्क्वायर यार्ड्स ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्क्वायर यार्ड्स ने बयान में कहा, अमृता सिंह द्वारा अधिग्रहीत संपत्ति नूतन लक्ष्मी कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड की पेनिनसुला इमारत में स्थित है। यह एक तैयार आवासीय परियोजना है। बयान के अनुसार, अपार्टमेंट का निर्मित क्षेत्रफल 252.04 वर्ग मीटर (2,712.9 वर्ग फुट) है और इसमें तीन कार पार्किंग हैं। स्क्वायर यार्ड्स ने कहा कि उसने संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों की समीक्षा की है। यह लेनदेन फरवरी, 2025 में पंजीकृत किया गया था। अमृता सिंह ने 'बेताब', 'चमेली की शादी' और 'मर्द' समेत कई फिल्मों में काम किया है।

पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के कारण सप्ताहांत तक उनके सभी कार्यक्रम रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोम/एपी। वेटिकन ने मंगलवार को सूचना जारी कर कहा कि पोप फ्रांसिस के अस्पताल में भर्ती होने के चलते सप्ताहांत तक उनके कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं और कुछ कार्यक्रम के लिए उनकी जगह अन्य लोगों को नियुक्त किया गया है। पोप के कार्यक्रम रद्द किए जाने का असर 'द होली ईयर' के आगामी आयोजनों पर भी पड़ेगा। हर 25 वर्ष में आयोजित किया जाने वाला यह कार्यक्रम कैथोलिक धर्म का मुख्य उत्सव है जिसमें भाग लेने के लिए काफी संख्या में लोग रोम पहुंचते हैं।

रोम में लगभग तीन करोड़ लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। पोप फ्रांसिस को शुक्रवार को 'ब्रोंकाइटिस' के उपचार के लिए रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

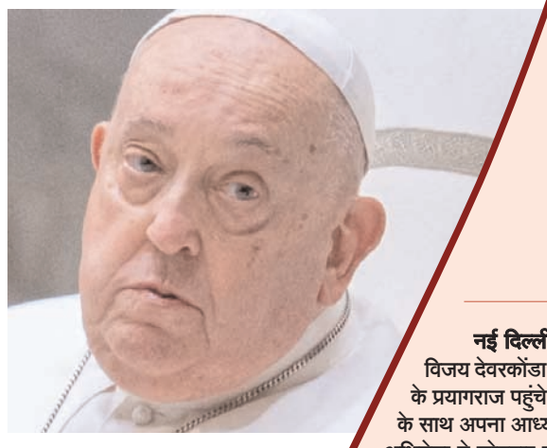

विजय देवरकोंडा महाकुंभ मेले में पहुंचे, त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा महाकुंभ मेले में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रशंसकों के साथ अपना आध्यात्मिक अनुभव साझा किया। 'अर्जुन रेड्डी' फेम अभिनेता ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं। देवरकोंडा की मां ने भी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया। देवरकोंडा ने लिखा, ''2025 का कुंभमेला-हमारे पौराणिक मूल्यों और जड़ों से जुड़ने, उन्हें सम्मान देने का सफर। प्यारी मां के साथ प्रार्थना कर रहा हूं। इस प्यारे समूह के साथ काशी की यात्रा कर रहा हूं।'' महाकुंभ मेला 13 जनवरी को शुरू हुआ और 26 फरवरी को समाप्त होगा। इसमें विक्की कौशल, अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, सुनील ग्रोवर और हेमा मालिनी समेत कई मशहूर फिल्मी हस्तियां स्नान कर चुकी हैं।

संगीता ने स्मार्ट गैजेट्स की 30 मिनट में एक्सप्रेस डिलीवरी शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत की अग्रणी मोबाइल और स्मार्ट गैजेट रिटेल चेन 'संगीता' ने 30 मिनट में एक्सप्रेस डिलीवरी सेवा शुरू करने की घोषणा की है, जो स्मार्ट गैजेट सेगमेंट के क्रिक कॉमर्स में क्रांति लाएगी। यह सेवा सुनिश्चित करेगी कि दक्षिण भारत (केरल को छोड़कर) के ग्राहकों को मात्र 30 मिनट में स्मार्टफोन और गैजेट मिल जाएं।

दी गई जानकारी के अनुसार, कंपनी मामूली टर्नओवर से बढ़कर 3,000 करोड़ रुपए के कारोबार तक पहुंच गई है और वित्त वर्ष 2025-26 तक 1,000 स्टोर तक पहुंचने की राह पर है। बहुत जल्द 30 मिनट में एक्सप्रेस डिलीवरी पूरे भारत में शुरू की जाएगी। केरल, महाराष्ट्र, गोवा और अन्य राज्यों में इसकी उपस्थिति बढ़ेगी।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संगीता के प्रबंध निदेशक सुभाष चंद्रा ने कहा, 'कंपनी 47 मिनट में डिलीवरी के साथ स्मार्टफोन की एक्सप्रेस डिलीवरी में अग्रणी रही है। अब हम सिर्फ 30 मिनट में स्मार्ट गैजेट्स की डिलीवरी करके इसे अगले स्तर पर लेकर जा रहे हैं। आधुनिक उपभोक्ता गति और विश्वसनीयता को महत्त्व देते हैं। हम एक अद्वितीय शॉपिंग अनुभव देने के लिए ऑफ़लाइन रिटेल और क्रिक कॉमर्स के बीच की खाई को पाट रहे हैं। यह पारंपरिक रिटेल विक्रेता से विश्वसनीय टेक्नोलॉजी पार्टनर बनने की हमारी यात्रा में एक बड़ी छलांग है।'

सलमान ने निर्माता साजिद नाडियाडवाला के जन्मदिन पर 'सिकंदर' का नया पोस्टर जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान ने मंगलवार को अपने करीबी दोस्त और फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला के जन्मदिन के अवसर पर प्रशंसकों को अपनी आगामी फिल्म सिकंदर का नया पोस्टर दिखाया।

सिकंदर का निर्देशन गजनी और हॉलिडे: ए सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी से मशहूर हुए ए आर मुरुगादॉस ने किया है। रश्मिका मंदाना अभिनीत यह फिल्म ईद पर रिलीज होगी।

सलमान खान ने अपने 'एक्स' पेज पर सिकंदर'' नया पोस्टर साझा किया। नाडियाडवाला के प्रोडक्शन बैनर के तले नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने भी अपने सोशल मीडिया पेज पर सलमान का नया लुक शेयर किया है।

सलमान और साजिद नाडियाडवाला इससे पहले 'जुड़वा', 'मुझसे शादी करोगी', 'जान-ए-मन' और उनकी निर्देशन की पहली फिल्म 'किक' में साथ काम कर चुके हैं।

टेस्ला ने भारत में भर्ती शुरू की, इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रवेश का संकेत दिया

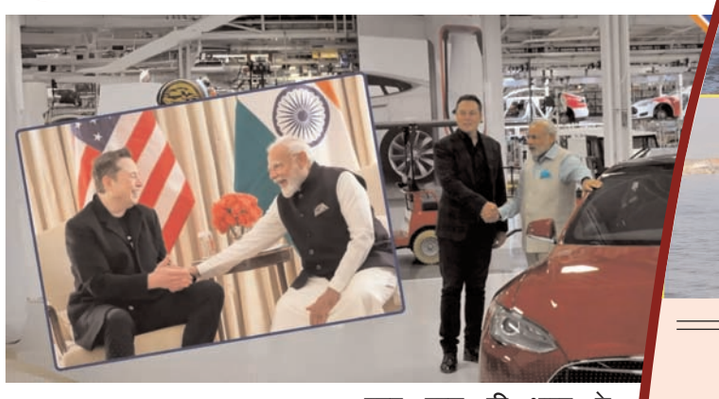

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला ने भारत में विभिन्न पदों के लिए भर्तियां शुरू की हैं। इनमें व्यवसाय संचालन विश्लेषक और ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल हैं, जो कंपनी के देश में प्रवेश के लिए एक अग्रदूत हो सकता है।

कंपनी की वेबसाइट पर भर्ती वाली नौकरी की अधिसूचना के अनुसार, ये पद मुंबई 'उपनगरीय' क्षेत्र के लिए हैं। इन भूमिकाओं में सेवा सलाहकार, 'पार्ट्स' सलाहकार, सेवा तकनीशियन, सेवा प्रबंधक, बिक्री एवं ग्राहक सहायता, स्टोर प्रबंधक, बिक्री एवं ग्राहक सहायता, व्यवसाय संचालन विश्लेषक, ग्राहक सहायता पर्यवेक्षक, ग्राहक सहायता विशेषज्ञ, वितरण संचालन विशेषज्ञ, ऑर्डर संचालन विशेषज्ञ, आंतरिक बिक्री सलाहकार और उपभोक्ता सहभागिता प्रबंधक शामिल हैं।

कंपनी को ई-मेल कर पूछा गया कि ये भर्तियां कंपनी की भारतीय बाजार में प्रवेश की योजना का हिस्सा हैं तथा भारत में बिक्री शुरू करने की संभावित समयसीमा क्या है। हालांकि, फिलहाल इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिला। टेस्ला द्वारा भारत में नियुक्तियां कंपनी के संस्थापक और अमेरिका के अरबपति एलन मस्क की भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हाल ही में हुई बैठक के बाद हुई हैं।

भारतीय बाजार में टेस्ला के संभावित प्रवेश का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

पिछले अप्रैल में, एलन मस्क ने बहुत भारी टेस्ला दायित्वों' का हवाला देते हुए आखिरी समय में भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी थी। हालांकि, प्रस्तावित यात्रा से उम्मीदें बढ़ गई थीं कि मस्क जल्द से जल्द भारत में टेस्ला इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री के लिए आगे की योजना की घोषणा करेंगे।

उनकी भारत यात्रा की योजना ऐसे समय में बनी है जब कुछ सप्ताह पहले ही सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति की घोषणा की है जिसके तहत 50 करोड़ डॉलर के न्यूनतम निवेश के साथ देश में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने वाली कंपनियों को आयात शुल्क में रियायत दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य टेस्ला जैसी प्रमुख वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना है।

रिलायंस कंज्यूमर ने 'कैम्पा कोला' को यूएई के बाजार में उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने शीतल पेय ब्रांड कैम्पा कोला को पेश किया। यह पेशकश दुनिया के प्रमुख खाद्य एवं पेय (एफएंडबी) कार्यक्रम 'गल्फूड' में की गई।

एक संयुक्त बयान के अनुसार, कैम्पा कोला को संयुक्त अरब अमीरात में साझेदार एग्थिया ग्रुप के साथ मिलकर पेश किया जा रहा है, जो इस क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में शामिल है। इसके साथ ही रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने यूएई में पहली बार प्रवेश किया है।

आरसीपीएल ने 2022 में कैम्पा कोला का अधिग्रहण करने के बाद शीतल पेय बाजार में प्रवेश किया था और बाद में 2023 में इसे फिर से पेश किया गया। कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) केतन मोदी ने कहा, हम 50 साल से भी पहले स्थापित एक भारतीय ब्रांड कैम्पा के साथ यूएई के बाजार में प्रवेश करने पर उत्साहित हैं। हम लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं और इस क्षेत्र में तेज वृद्धि की काफी संभावनाएं देखते हैं। हमारे पास ग्राहकों को सस्ती कीमतों पर अभिनव और वैश्विक गुणवत्ता वाले उत्पाद देने का पिछला रिकॉर्ड है।

उन्होंने आगे कहा कि कैम्पा कोला की पेशकश से यूएई के सभी भारतीय प्रवासियों के बीच पुरानी यादें ताजा होंगी। गल्फूड 2025 का आयोजन 17-21 फरवरी तक किया जा रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 19-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्ञानयोग, ध्यानयोग, तपयोग आदि कठिन हैं। भगवान की भक्ति में मन को एकाग्र कर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। भगवान के प्रति अनन्य प्रीति और समर्पण की भूमिका भक्ति को सार्थक करती है। जैनदर्शन में वर्णित भगवान का स्वरूप समझने जैसा है। जो सर्वदोषों से रहित, राग-द्वेष मुक्त आत्मा हो, सिर्फ उन्हीं को जैनदर्शन में भगवान माना जाता है। ऐसे परमात्मा की निष्काम भक्ति ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए जैनदर्शन के अनुसार भगवान और देवी-देवता में मौलिक अंतर है। यहां भगवान का स्थान सर्वोपरि है।

लाड़नूं नागरिक परिषद् सदस्यों ने किए तिरूपति बालाजी दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लाड़नूं नागरिक परिषद चेन्नई द्वारा 90 सदस्यों के समूह ने तिरुपति बालाजी मंदिर की यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा भक्तों के आध्यात्मिक विकास और आपसी मेलजोल को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। सभी सदस्यों ने निर्धारित समय पर भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। विशेष दर्शन टिकट की सुविधा दी गई थी, मंदिर प्रबंधन द्वारा सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे दर्शन सुचारू रूप से संपन्न हुए। दर्शन के बाद समूह ने पास के रमणीय स्थल पर पिकनिक का आनंद लिया। विभिन्न खेल, योग, भजन-कीर्तन, खानपान और मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। दर्शन कर समूह ने वापसी यात्रा शुरू की। सभी यात्री सुरक्षित रूप से अपने अपने गंतव्य पर पहुंचे। इस यात्रा ने सभी सदस्यों को आध्यात्मिक संतुष्टि और आपसी संबंध मजबूत करने का अवसर प्रदान किया। आयोजन की सफलता में अध्यक्ष तरूण दुगड, व्यवस्थापक अरिहंत चौरडिया, राज नाहटा, विकास भंसाली व गौरव कोठारी के अथक प्रयास और प्रतिभागियों का सहयोग रहा।

रंग-ए-कविता का आयोजन 23 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल सभा एवं श्री माहेश्वरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में रंग-ए-कविता का आयोजन 23 फरवरी को डीजी वैष्णव कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा है। कार्यक्रम के चेयरमैन अशोक केडिया ने बताया है कि सुबह 11 बजे से आरंभ होने वाले इस कार्यक्रम में कवियत्री सपना सोनी तथा आयुषी रखीजा हास्य

रस की कविताएं प्रस्तुत करेंगी। कार्यक्रम की तैयारियों में अध्यक्ष विजय कुमार गोयल, सचिव बाल गोविंद गुप्ता सहित अनेक पदाधिकारी लगे हुए।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में मध्यप्रदेश के धामनोद की संस्था 'मां अन्नपूर्णा सेवा एवं पारमार्थिक संस्था' द्वारा शहर के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार गादिया को वर्ष 2024 के लिए स्मृति चिन्ह और मेडल देकर सम्मानित किया। विप्र फाउंडेशन के तमिलनाडु प्रभारी डॉ श्रवण बोहरा, वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल, अध्यक्ष नेमीचंद लोढ़ा के साथ ही विभिन्न संस्थाओं के अग्रणी दिलीप कुमार बोहरा नगर के खेल आयोजनों में सक्रिय टाइगर खारीवाल आदि ने मां अन्नपूर्णा सेवा व पारमार्थिक संस्था के पुरस्कार को समाजसेवी राजेश कुमार गादिया को शाल्यर्पण व माल्यार्पण करने के बाद प्रदान किया।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कोडुंगैयूर स्थित बालाजी कल्याण मंडपम में महावीर जैन ग्रुप और एमएन आई हॉस्पिटल के संयुक्त से एक नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 156 लोगों की नेत्र जांच की गई, जिसमें 28 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। उन्हें उचित उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, वहीं 62 लोगों को 8 मार्च को चश्मे वितरित किए जाएगा। ग्रुप की अध्यक्ष निर्मला बसंत छल्लाणी ने बताया कि शिविर के प्रायोजक मनोहरदेवी रविन्द्र, तरुण, प्रथम छल्लाणी रहे। डॉ. चन्द्र दुगड़ द्वारा 17 लोगों को एक्यूपंक्चर एक्युप्रेशर और कलर थेरेपी की चिकित्सा दी गई।धन्यवाद दिया।

सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

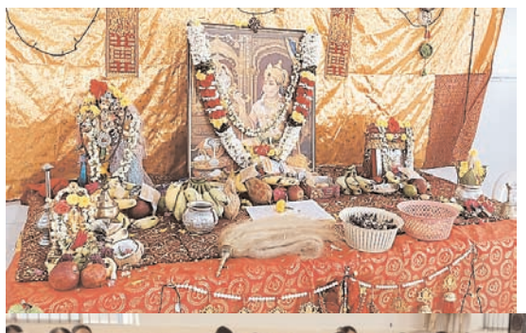

तिरुपुर में बालाजी के दिवाने मंडल द्वारा मासिक सुन्दरकांड का पाठ 18 फरवरी को किया गया। गणेश मन्दिर रायपुरम में हुए इस मासिक सुन्दरकांड पाठ में अध्यक्ष शिला शाह, सरोज पित्ती, सुनिता शर्मा, सुमन गुप्ता, मंजु पारस सहित अनेक महिलाओं ने भाग लिया। मंडल द्वारा प्रत्येक महीने में किए जाने वाला यह 18वां आयोजन था।

ज्ञान, समर्पण व तप का त्रिवेणी संगम है साध्वीश्री दर्शनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीक्षा के 50 वर्ष पूर्ण करने जा रही हैं साध्वीश्री

बेंगलूरु। 'संसार से वैराग, प्रभु भक्ति का राग, अपने मन पर नियंत्रण, मर्यादामय जीवन का निर्वहन, अनुशासन में जीवन जीना, गुरु के प्रति समर्पित रहना, अपने कर्त्तव्यों का पालन करना, आत्मसमीक्षा, आत्मकल्याण, पांच व्रतों को धारण करना, विश्वशांति के लिए कार्य करना, समाज एकता के लिए दृढ़ रहना, श्रावक श्राविकाओं को परमार्थ के रास्ते के लिए प्रेरित करना, इसे ही संयम जीवन कहते हैं', यह मानना है 50 वर्ष के संयम जीवन को धारण करने वाली उपप्रवर्तनी साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी महाराज साहब का। ज्ञातव्य है कि आगामी 23 फरवरी को साध्वी श्री दर्शनप्रभाजी के दीक्षा के पचास वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। साध्वीश्री का मानना है कि संसार से दूर, प्रभु व गुरु के नजदीक और अपने आप में खो जाना ही संयम जीवन है। साध्वीश्री की दीक्षा 50 वर्ष पूर्व राजस्थान के ब्यावर में सद्गुरु विश्वसंत उपाध्यायश्री पुष्करमुनिजी व गुरुवर्याश्री उपप्रवर्तिनीश्री चारित्रप्रभाजी म.सा. के सान्निध्य में हुई थीं।

दर्शनप्रभा ने साध्वीश्री चारित्रप्रभा से ग्रहण की थी दीक्षा

वर्ष 1955 में 23 अक्टूबर को दिल्ली में जन्मी साध्वी दर्शनप्रभाजी का सांसारिक नाम सरोज था। कमलाबाई-रतनलाल लोढ़ा परिवार में जन्मी सरोज बचपन से ही आधुनिक विचारों की बालिका रही। सरोज को संसार बहुत रास आता था। उनके परिवार के लोग धार्मिक प्रवृत्ति के थे, जिन्होंने सरोज पर साधु साध्वियों के सान्निध्य में जाने दबाव बनाया तो एक बार अपने मां के साथ सरोज जब साध्वीश्री चारित्रप्रभाजी के दर्शन करने व प्रवचन श्रवण करने गई तब चारित्रप्रभाजी उत्तराध्यायन सूत्र के अंतर्गत भृगु पुरोहित की कथा सुना रही थीं, तब ही सरोज को कथा श्रवण कर पुण्योदय से वैराग्य के भाव जागृत हो उठे। सात साल की परीक्षा की लम्बी कसौटी पर व पूरे परिवारजन को मनाने के बाद दीक्षार्थी सरोज ने साध्वीश्री चारित्रप्रभाजी के सान्निध्य में वर्ष 1976 में 20 फरवरी को दीक्षा ग्रहण कर ली थी।

व्यसनमुक्ति व महिला सशक्तिकरण में विश्वास करती है साध्वी दर्शनप्रभा

दीक्षा ग्रहण करने के बाद साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी के अपने संयम जीवन में आध्यात्मिका के शिखर को छूते हुए जैन धर्म की ध्वजा फहराई। साध्वीश्री ने पूरे भारत वर्ष में लगभग 65000 हजार किलोमीटर की पैदल यात्रा कर जैन धर्म का प्रचार किया है। साध्वीश्री ने एक दिन में चितौड़गढ़ से भीलवाड़ा तक 55 किलोमीटर का उग्र विहार भी किया है। दर्शनप्रभाजी ने अपने जीवन में व्यसन मुक्ति, युवा पीढ़ी को धर्म प्रेरणा, महिलाओं व युवतियों के सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्य करती है और इन क्षेत्रों में उन्हें अनेक सफलताएं भी प्राप्त हुई हैं। साध्वीश्री की प्रेरणा से पूरे देश में मानवसेवा, जीवदया, शिक्षा, चिकित्सा, आश्रय आदि क्षेत्रों में अनेक स्थाई कार्य भी हुए है और अनेकों कार्य गतिमान है। साध्वीश्री की प्रेरणा से अनेक स्थानक भवन, जैन भवन, आयुर्वेदिक चिकित्सालय, साधना केन्द्र, पुष्कर धाम, आराधना भवन आदि के निर्माण हुए है।

समाज एकता की हिमायती हैं साध्वी दर्शनप्रभा

एम.ए. पीएचडी, साहित्य रत्न, आचार्य परीक्षा, सर्वदर्शनाचार्य परीक्षा, सिद्धांताचार्य परीक्षा आदि से शिक्षित साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी सरलहृदया, सौम्य स्वभाव, आत्मीयता, सेवा, कर्मठता, दृढ़ता, एकनिष्ठा, समरसता, शालीनता के गुणों से ओत प्रोत हैं। वे समाज एकता व संगठन की हिमायती हैं। उनका मानना है कि संतों के सान्निध्य में आकर जिसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन नहीं आता उसका जीवन व्यर्थ है। उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी म.सा. साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी के सांसारिक भाई तथा साध्वी डॉ दिव्यप्रभाजी म.सा. चाची गुरुणी हैं। साध्वीश्री को जिनशासन प्रभाविका, श्रमणी सूर्या, स्पष्ट वक्ता, उपप्रवर्तिनी, संघ उन्नायिका आदि की पदवी मिली है। साध्वीश्री को अपने संयम जीवन में जैन समाज के साथ साथ अनेक वरिष्ठ साधु संतों का सान्निध्य मिला है। अटलबिहारी वाजपेयी जैसे अनेक राजनेताओं व गणमान्य लोगों ने साध्वीश्री के दर्शन किए हैं। साध्वीश्री ने अनेक तपस्याएं की है तथा 45 वर्षो से एकासना का व्रत कर रही हैं। साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी के संयम परिवार में 28 साध्वियां हैं। वर्तमान में अभी उनके साथ साध्वीश्री मेघाश्रीजी, श्रद्धाश्रीजी, समीक्षाश्रीजी व समृद्धिश्रीजी आदि साध्वियां हैं।

स्वर्णिम दीक्षा जयंती पर आयोजित होगा तीन दिवसीय महोत्सव

साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी समाज को संदेश देते हुए कहती है कि उनका मानन है कि हर श्रावक-श्राविका धर्मनिष्ठ बने, 12 व्रतों का पालन करे, अहंकार का त्याग करे, परिवार के बिखराव को रोके और संघ एकता में सहयोग करे। साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी के 50वें स्वर्णिम दीक्षा जयंती के उपलक्ष्य में श्री गुरु मां दर्शन संयम स्वर्ण जयंती महोत्सव समिति के तत्वावधान में गणेश बाग में तीन दिवसीय आयोजन किया जा रहा है जिसमें 21 फरवरी को सेवा दिवस के रूप में विभिन्न स्थलों व अनाथालयों में अन्नदान किया जाएगा। 22 फरवरी को तप दिवस के रूप में मनाते हुए एकासन तप किए जाएंगे तथा 23 फरवरी को सुबह 9 बजे से सजोड़े सामूहिक जाप किए जाएंगे। समिति के सदस्यों के साथ अनेक श्रद्धालु महोत्सव की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

शारीरिक क्षमतानुरुप तपस्या करनी चाहिए : विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के विजयनगर जैन स्थानक में विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि स्व-इच्छा से कोई गृहस्थ तेले का तप तक करने की श्रावकों को भगवान ने छूट दी है। भगवान ने सात कारण से आयुष टुटना बताए है उसमें पहला कारण आहार को बताया है। दूसरा निमित्त में संयमी लोग भारी प्रेरणा दे देकर कराते हैं। निमित्त तो 'त्यागी माना जाएगा। स्थानकवासी (ढुढक पंथ) में दया धर्म 11 सामायिक या अधिक करते हुए साधु का जीवन जीते थे। समान एक दिन का दया व्रत (खाते पीते पौषध ही है) नाम से प्रसिद्ध था। दशवैकालिक सूत्र में भगवान महावीर स्वामी कहते है कि शरीर का बल तथा मानसिक बल ये दोनों का देख कर ही आराधना तपाराधना करनी है, अपनी श्रद्धा को आत्मा पहचाने के लिए क्षमतानुरुप तपस्या करनी चाहिए। संघ के महामंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने सभी का स्वागत किया तथा संघ अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर ने आभार व्यक्त किया।

निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, पूर्व मंत्री मदन मुणोत, पूर्व सहमंत्री रितेश मेहता साधु साध्वी सेवा समिति चेयरमैन कपिल काल्या, सह चेयरमैन अर्चित पारेख, कमलेश कोटाड़िया, प्रथम पितलिया ने आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी एवं साध्वीश्री धर्मरुचितश्रीजी के दर्शन किए तथा श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624 वें जन्म कल्याणक महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया।

मिथिला महोत्सव में दिखी मिथिलांचल संस्कृति की झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रवासी मिथिलावासियों ने बढ़चढ़ कर लिया भाग

बेंगलूरु। दिनांक 16 फरवरी 2025 को बेंगलूरु के बंटसंगा ऑडिटोरियम, विजयनगर में कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा मिथिला महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 2000 मैथिली परिवारजन शामिल हुए। आयोजन की शुरुआत शिव रुद्राभिषेक से हुई। रुद्राभिषेक में पंडित राजगुरु के नेतृत्व में मंत्र उच्चारण किया गया एवं शिवजी की पूजा अर्चना की गई। रुद्राभिषेक में मिथिला की महिलाओं ने पार्थिव महादेव बना कर पूजा की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सांसद गोपाल ठाकुर के साथ संतोष मिश्रा, जीवानंद झा, अमितेश झा, डॉ सनी राज, गौतम कुमार आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन कर्नाटक मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष पवन मिश्रा जी के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में एचसी झा, डीएन झा, बीएन ठाकुर, केशव चौधरी, किशन झा, पंडित राजगुरु, डॉ संजीव झा, हरिकृष्ण चौधरी, अवनीश, दीपक झा, प्रफुल्ल झा, विक्रम झा, गिरीश सत्यम मिश्रा, सुनील ठाकुर, मणिकांत झा, विक्रमादित्य झा, श्रीराम झा और अन्य सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम में रुद्राभिषेक, मिथिला की महिलाओं के लिए अर्पण प्रतियोगिता, बच्चों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में मिथिला के गायक विकास झा, माधव राय, जुली झा, स्वाति झा, रामसेवक ठाकुर एवं लोकल मैथिली गायको ने अपने रंगारंग गीतों की प्रस्तुति दी। मिथिला की महिलाओं और सखियों ने लोकनृत्य झिझिया की प्रस्तुति देकर मिथिला संस्कृति की सुनहरी झांकी प्रस्तुत की ।

मात्र उपासना से नहीं, आचरण से भक्त बनें : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भद्रावती (शिवमोग्गा)। स्थानीय पार्श्व भवन में जैनधर्म के सभी संप्रदायों की संयुक्त धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि उपासना-आराधना कर आराध्य का भक्त और धार्मिक होना सरल है, लेकिन आचरण से आराध्य का भक्त या धार्मिक बनना साधना है। वह सरल नहीं है। सभी को यह तथ्य और सत्य स्मरण में रहना चाहिए कि धर्म केवल उपासना के लिए नहीं होता। वह तो विचारों की पवित्रता, आचरण की शुद्धता और व्यवहार की सुचिता के लिए होता है। मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा, धर्मस्थानक आदि उपासना और साधना के केंद्र हैं। इन्हें प्राप्त कर मनुष्य को अच्छाइयां सीखनी होती हैं और अपनी बुराइयों को दूर करना होता है। इसलिए सिर्फ नाम के या दिखावे के धार्मिक होने का कोई अर्थ नहीं है। ऐसा करने से तो जीवन में केवल पाखंड बढ़ेगा और लोगों को धोखा देने का काम करेंगे। इस

प्रकार धार्मिक होकर भी न तो जीवन को शांति मिल सकती है और ना ही सुख। आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि आराधना-उपासना मनुष्य के धार्मिक होने का परिचायक है, लेकिन सदाचरण धर्म का महत्वपूर्ण पक्ष है।

हम अपने आराध्य की कितनी ही साधना, आराधना या उपासना करते हों, यदि हमारा आचरण और व्यवहार गलत हैं तो हमारे धार्मिक होने का कोई अर्थ नहीं है। भगवान महावीर ने ऐसे धार्मिक क्रियाकलापों को पाखंड की संज्ञा दी है। हम बनावट या दिखावा कर भगवान को, गुरु को या दुनिया को मूर्ख बनाने की चेष्टा कर सकते हैं, लेकिन हम स्वयं की आत्मा को मूर्ख नहीं बना सकते। उसके साथ धोखा नहीं कर सकते। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने समझाया कि जीवन में धर्म की शिक्षाओं के छोटे-छोटे प्रयोग करने चाहिए। समय समय में आत्मविश्लेषण करना चाहिए। मैं ही सही हूं और मेरी बात ही सही है, हमेशा ऐसा आग्रह नहीं होना चाहिए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.